दैनिक

नव प्रदेश

प्रदेश के साथ पूरा देश...

www.navpradesh.com | भोपाल, गुरूवार 18 फरवरी 2021, माघ शुक्ल पक्ष-सप्तमी, विक्रम संवत-2077 वर्ष-04 अंक-250 पृष्ठ-08 मूल्य-3 रुपए | डाक पंजीयन संख्या -म प्र /भोपाल /4-468/2018-20 | मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं झारखंड, से एक साथ प्रकाशित

प्रदेश में वन क्षेत्र का बढ़ना पूरी दुनिया के लिए शुभ समाचार : मुख्यमंत्री चौहान

वन अधिकारियों की एक दिवसीय कार्यशाला में मुख्यमंत्री ने किया संवाद

भोपाल वन विहार में आरंभ करें नाइट सफारी

भोपाल (नवप्रदेश)।

भोपाल । मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि वन क्षेत्र में नवाचार बढ़ाने की आवश्यकता है। भोपाल में वन विहार अपने आप में एक बड़ी सौगात है। इसे ऐसे मॉडल के रूप में विकसित करें कि सिंगापुर से भी लोग नाइट सफारी के लिए यहाँ आएं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में वन क्षेत्र बढ़ना दुनिया के लिए शुभ समाचार है। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में यह मनुष्य ही नहीं, प्राणी मात्र की रक्षा के लिए आवश्यक है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए वन विभाग को बधाई दी। मुख्यमंत्री श्री चौहान प्रशासन अकादमी में मुख्य वन संरक्षक एवं वनमण्डलाधिकारियों की एक दिवसीय

कार्य-शाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दीप प्रज्जवलित कर कार्य शाला का शुभारंभ किया। वन मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, प्रमुख सचिव वन श्री अशोक वर्णवाल, प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री राजेश श्रीवास्तव कार्यशाला में उपस्थित थे।

वनवासियों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहे विभागीय अमला

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जनता की सेवा और पर्यावरण संरक्षण वन सेवा के अधिकारियों और कर्मचारियों का दायित्व है। वन क्षेत्र में रह रहे भाई-बहनों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहना जरूरी है। यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी पात्र व्यक्तियों को बिना किसी परेशानी के वनाधिकार अधिनियम के अंतर्गत पट्टे प्राप्त हों। उन्होंने कहा कि पर्यावरण को बचाने की जितनी जिम्मेदारी वनवासियों की है, उतनी ही सभ्य समाज की भी है। अत- यह देखना जरूरी है कि वनवासियों को किसी भी प्रकार से प्रताड़ित न किया जाए। वन क्षेत्र में सक्रिय विभिन्न माफिया पर सख्त कार्यवाही आवश्यक है। यह सुनिश्चित किया जाए कि वन क्षेत्र में नए कब्जे न हों। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रदेश के टाईगर स्टेट बनने और प्रदेश में तेंदुआ, घड़ियाल और गिद्धों की संख्या बढ़ने पर वनाधिकारियों को बधाई दी।

अपनी जमीन पर लगे पेड़ों के उपयोग संबंधी नियमों का सरलीकरण जरूरी

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि वन क्षेत्र का विस्तार जनता के सहयोग से ही हुआ है। इसमें वन समितियों का कार्य चमत्कारिक है। झाबुआ इसकी मिसाल है। इन्दौर में कार्बन क्रेडिट की दिशा में समाज के स्तर पर हुए कार्य की भी सराहना की गई। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कृषि वानिकी को बढ़ाने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि अपनी जमीन पर लगे पेड़ों के उपयोग के संबंध में नियमों को सरल करने की जरूरत है। वनाधारित गतिविधियों और **शेष पृष्ठ 7 पर**

आज बेबाक

न सिर्फ दिल तक पहुंचने का रास्ता पेट से होकर गुजरता है बल्कि वोट कबाड़ने का रास्ता भी पेट से होकर जाता है। यह नया रास्ता राजनीतिक दलों ने तैयार किया है। गरीबों को सस्ता खाना दो, सब्सिडी और थोक में उनके वोट हथिया कर सत्ता सुंदरी का सानिध्य प्राप्त प्रदान करो। दीदी ने बंगाल में पांच रूपए वाली थाली परोसी है। वैसे उन्होने कुछ नया नहीं किया है। कई राज्यों में पांच रूपए में खाना खिलाने की योजना चल रही है। बहरहाल देखना दिलचस्प होगा कि बंगाल के लोग जिसका खाते है उसका गाते है या उसकी बैंड बजाते है?

खास- खबर

पश्चिम बंगाल चुनाव

विश्वास सारंग को मिली बड़ी जिम्मेदारी, बोले- ममता की विदाई तय

मध्यप्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग को केंद्रीय नेतृत्व ने दिया पश्चिम बंगाल का जिम्मा...।

भोपाल। बंगाल चुनाव के लिए भाजपा की तैयारी तेज हो गई है। इसी सिलसिले में केंद्रीय नेतृत्व ने प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग को बड़ी जिम्मेदारी दी है। सारंग पश्चिम बंगाल के तीन जिलों के कमान संभालेंगे। सारंग ने कहा है कि ममता बनर्जी के कारण पश्चिम बंगाल का गौरव कम हुआ है। अब यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए मध्यप्रदेश की शिवराज सरकार के कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग को बंगाल के तीन जिलों की अहम जिम्मेदारी मिली है। बुधवार को सारंग ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि ममता दीदी के राज में पश्चिम बंगाल का गौरव कम हुआ है। पश्चिम बंगाल की जनता भाजपा के साथ है। सारंग ने कहा कि उन पर केंद्रीय नेतृत्व ने भरोसा जताया है। वे भाजपा के कार्यकर्ता के रूप में अपनी भूमिका निभाएंगे। सारंग ने केंद्रीय नेतृत्व के प्रति खुशी भी जाहिर की है। सारंग ने दावा किया है कि ममता बनर्जी की विदाई होने जा रही है, पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनने जा रही है। गौरतलब है कि विश्वास सारंग के अलावा प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्र, भाजपा महासचिव कैलाश विजयवर्गीय और केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल को भी पश्चिम बंगाल में भाजपा ने जिम्मेदारी सौंपी है।

सीधी बस हादसा: नहर से लाशें मिलने का सिलसिला जारी

4 शव और मिले, 5 महीने की बच्ची की लाश 22 किमी दूर मिली; मौत का आंकड़ा 51 हुआ

बस का ड्राइवर बोला- अचानक आवाज आई और नहर में गिर गई बस

नव प्रदेश संवाददाता

सीधी। सीधी बस हादसा कई परिवारों को कभी न मिटने वाला गहरा जख्म देकर गया है। हादसे में मरने वालों की संख्या 51 हो चुकी है। मंगलवार रात तक 47 शव मिले थे। बुधवार को 4 बॉडी और मिलीं, जिसमें 5 महीने की बच्ची का शव रीवा में मिला। 3 लापता लोगों की तलाश जारी है। इस बीच, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान घटनास्थल सीधी पहुंचे और पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। रामपुर नैकिन गांव के गुप्ता परिवार ने मुख्यमंत्री से अपील की, 'अगर सड़क जाम नहीं होती, तो हमारे बच्चे जिंदा होते और पत्नी जिंदा होती। सड़क बनवा दीजिए। जो मेरे साथ हादसा हुआ, किसी और परिवार के साथ ना हो।' सुरेश गुप्ता अपनी बहू पिंकी और पोते अथर्व के साथ सफर कर रहे थे। सुरेश बच गए, बहू-पोता नहर में डूब गए। नहर में पलटने वाली सीधी-सतना रूट की बस MP-19P 1882 में कुल 33 स्थानों से 60 लोग सवार हुए थे। इसमें सबसे ज्यादा रामपुर नैकिन, कुसमी और बहरी वेलहा से 3-3, बाकी आसपास के गांवों **शेष पृष्ठ 7 पर**

ड्राइवर बोला- फिसलती गई बस और नहर में समा गई

सोशल मीडिया पर बस के ड्राइवर बालेंद्र विश्वकर्मा का वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें वह कह रहा है कि चलती हुई बस में अचानक आवाज आई। इसके बाद बस फिसलकर नहर में समा गई। मैंने किसी तरह जान बचाई। मेरे पीछे एक ल?की भी थी। उसने भी बाहर निकलने की कोशिश की। वहीं, ऊपर से दो लोगों ने रस्सी डाली, जिसकी मदद से हम बाहर आ गए।

बच्ची का शव 22 किमी दूर मिला

बस में बैठी 5 महीने की मासूम शुभी उर्फ सौम्या अपनी मां के आंचल से छूट गई थी, जो पानी की बहाव के साथ बहती चली गई। 24 घंटे बाद उसका शव सीधी की सरहद से 22 किलोमीटर दूर रीवा के गोविंदगढ़ के पास मिला। उसकी मां और मौसी की लाश मंगलवार को ही बस से मिली थी।

बस ड्राइवर देर रात गिरफ्तार

रीवा के सिमरिया निवासी बस ड्राइवर 28 साल के बालेंद्र विश्वकर्मा को पुलिस ने मंगलवार देर रात गिरफ्तार कर लिया। ड्राइवर ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि उसका एक ड्राइविंग लाइसेंस हादसे में बह गया, जबकि दूसरा लाइसेंस रीवा में है। गाड़ी के दस्तावेज सतना में हैं। इसके बाद बालेंद्र के ड्राइविंग लाइसेंस और बस के डॉक्यूमेंट्स के लिए दो टीमें रीवा और सतना भेजी गई हैं। पुलिस ड्राइवर से यह पता करने में जुटी है कि क्या वह पहले भी ओवरलोड कर बस चलाता था?.स्क्कअंजुलता पटले के मुताबिक, बस में कुल 63 यात्री सवार थे। इनमें से तीन यात्री हादसे से पहले ही बस से उतर गए थे। वहीं, 60 यात्रियों में 6 की जान बचाई जा चुकी है।

देश में पहली बार होगी महिला को फांसी

मथुरा के फांसीघर में सजा की तैयारी, 13 साल पहले महिला ने प्रेमी के साथ मिलकर परिवार के 7 लोगों की हत्या की थी

शबनम अभी रामपुर जेल में बंद है, उसका प्रेमी आगरा जेल में है

मुरादाबाद/मेरठ/मथुरा। देश में पहली बार किसी महिला को फांसी दी जाएगी। दोषी महिला को मथुरा की महिला जेल में बने फांसी घर में लटकाया जाएगा। फांसी कब होगी, इसकी अभी कोई तारीख तय नहीं हुई है। फांसी घर की मरम्मत और फंदे के रस्सी का ऑर्डर दिया जा चुका है। मेरठ में रहने वाले पवन जल्लाद ने कहा कि मथुरा जेल के अफसरों ने संपर्क किया है। जैसे ही बुलावा आएगा, पहुंच जाऊंगा। 13 साल पहले अमरोहा की रहने वाली शबनम ने प्रेमी के साथ मिलकर परिवार के 7 लोगों की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी थी। राष्ट्रपति ने 15 फरवरी को उसकी दया याचिका खारिज कर दी। शबनम अभी रामपुर जेल में बंद है, जबकि उसका प्रेमी आगरा जेल में है।

1870 में बना था मथुरा जेल में फांसी घर

महिलाओं को फांसी के लिए मथुरा जेल में 1870 में फांसी घर बनाया गया था। आजादी के बाद से इस फांसी घर में किसी को फांसी पर नहीं लटकाया गया है। सालों से बंद पड़े फांसी घर की मरम्मत के लिए जेल अधीक्षक शैलेंद्र कुमार मैत्रेय ने अफसरों को चिट्ठी लिखी है। हालांकि, उन्होंने शबनम को फांसी दिए जाने की जानकारी से इनकार किया। कहा कि फांसी घर की स्थिति खराब थी, इसलिए उसकी मरम्मत के लिए पत्र लिखा गया। पवन जल्लाद ने बताया कि वह 6 माह पहले मथुरा जेल गया था। वह काफी खराब हालत **शेष पृष्ठ 7 पर**

दवा देकर बेहोश किया, फिर कुल्हाड़ी से काट दिया

अमरोहा के बाबनखेड़ी गांव की निवासी शबनम ने 15 अप्रैल 2008 को अपने प्रेमी सलीम के साथ मिलकर अपने पिता शौकत अली, मां हाशमी, भाई अनीस अहमद, उसकी पत्नी अंजुम, भतीजी राबिया और भाई राशिद के अलावा अनीस के 10 महीने के बेटे अर्श की हत्या कर दी थी। सभी को पहले दवा देकर बेहोश किया गया और इसके बाद अर्श को छोड़कर अन्य को कुल्हाड़ी से काट डाला था। शबनम ने अर्श का गला दबाकर उसे मारा था।

किसान आंदोलन | रेलवे ने अतिरिक्त फोर्स तैनात की, पंजाब-हरियाणा-यूपी पर फोकस

किसान आज देशभर में 4 घंटे तक रेल रोकेंगे

सिंघु बॉर्डर पर SHO पर हमला करने वाला अरेस्ट, 26 जनवरी को लाल किले में तलवार घुमाते दिखा आरोपी भी पकड़ा गया

नई दिल्ली। कृषि कानूनों के विरोध में पिछले ढाई महीने से आंदोलन कर रहे किसान गुरुवार को देशभर में 4 घंटे के लिए रेल रोको आंदोलन करेंगे। भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत ने बताया कि नए कृषि कानूनों के खिलाफ गुरुवार को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक देशभर में रेल रोको आंदोलन होगा। इधर, रेलवे ने भी सुरक्षा के लिहाज से रेलवे प्रोटेक्शन स्पेशल फोर्स की 20

अतिरिक्त कंपनियां तैनाती की हैं। रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स के डायरेक्टर जनरल अरुण कुमार ने कहा, हम चाहते हैं कि किसान यात्रियों के लिए असुविधा पैदा न करें। हम चाहते हैं कि वे 4 घंटे शांति से बीत जाएं। मुख्य फोकस पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल पर रखा गया है। 84 दिन से किसान दिल्ली की सिंघु, टीकरी और गाजीपुर बॉर्डर पर प्रदर्शन कर रहे हैं। इस बीच, सिंघु बॉर्डर पर प्रदर्शन में शामिल एक व्यक्ति ने मंगलवार रात पुलिस अधिकारी पर तलवार से हमला कर दिया था। इसके बाद वह पुलिस अधिकारी की गाड़ी लेकर भाग गया। घायल साह्र को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस ने बुधवार को बताया कि आरोपी का नाम हरप्रीत सिंह है। उसने रात करीब 8 बजे सिंघु बॉर्डर पर यह वारदात की। पुलिस के जवानों ने PCR वैन से उसका पीछा किया। हरप्रीत ने मुकरबा चौक के पास फुटपाथ पर गाड़ी चढ़ा दी। इसके बाद वह एक व्यक्ति से बाइक छीनकर फरार हो गया। पुलिस ने करीब 8.30 बजे उसे पकड़ लिया। सूत्रों का कहना है कि आरोपी की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने इस दावे की पुष्टि नहीं की है। एक सीनियर पुलिस ऑफिसर ने बताया कि आरोपी पर कानूनी कार्रवाई चल रही है। 26 जनवरी को दिल्ली में हुई हिंसा के दौरान कथित तौर पर तलवार घुमाते दिखे मनिंदर सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि 30 साल का मनिंदर कार मैकेनिक है। उसे मंगलवार शाम करीब 7.45 बजे दिल्ली के पीथमपुरा से पकड़ा गया। उसके **शेष पृष्ठ 7 पर**

ग्रेटा थनबर्ग टूलकिट केस

आरोपी निकिता जैकब को बॉम्बे हाईकोर्ट ने 3 हफ्ते की अंतरिम जमानत दी, गैर-जमानती वारंट के बाद से फरार हैं

मुंबई- ग्रेटा थनबर्ग टूलकिट केस में आरोपी निकिता जैकब को बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार को 3 हफ्ते की अंतरिम जमानत दे दी है। सुनवाई के दौरान जस्टिस पीडी नाइक ने कहा कि इन तीन हफ्ते में निकिता अपने खिलाफ दर्ज मामले को लेकर दिल्ली की अदालत में जा सकती हैं। निकिता पेशे से वकील हैं। दिल्ली पुलिस ने 15 फरवरी को निकिता को फरार घोषित करते हुए गैर-जमानती वारंट जारी किया था। इसके बाद निकिता ने गैर-जमानती वारंट को रद्द करने और अंतरिम जमानत के लिए बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। अगर निकिता की गिरफ्तारी होती है तो उन्हें 25 जार रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही जमानत राशि भरने पर रिहा किया जाएगा। निकिता जैकब टूलकिट केस में गिरफ्तार बेंगलुरु की 22 साल की एक्टिविस्ट दिशा रवि की करीबी हैं। निकिता को पकड़ने के लिए दिल्ली पुलिस की एक टीम कई दिनों से मुंबई में है।

ऐश्वर्या राय बच्चन हुईं ट्रोल

आराध्या बच्चन की Overprotective मां बनने पर ट्रोल्स ने सुनाई खरी-खोटी

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा फॉलो की जाने वाली अभिनेत्री हैं। इनकी हर एक आउटिंग पैपराजी के कैमरे में कैद होती है। मिस वर्ल्ड बनने के बाद ऐश्वर्या ने अपनी किस्मत फिल्मी दुनिया में आजमाई, सक्सेसफुल भी हुई। इनकी खूबसूरती और चार्म ने कई फैन्स को 'घायल' किया। इनकी एक्टिंग के दर्शक दीवाने हुए।

हाल ही में ऐश्वर्या राय बच्चन मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट की गईं। दरअसल, ऐश्वर्या हैदराबाद में अपनी अगली फिल्म की शूटिंग के लिए गई थीं। वहीं से वह परिवार संग वापस लौटी हैं। ऐश्वर्या, आराध्या और अभिषेक, तीनों ही मुंह पर मास्क लगाए नजर आए। इसके साथ ही ऐश्वर्या ने आराध्या का हाथ पकड़ा हुआ था और दूसरा हाथ उन्होंने आराध्या के कंधे पर रखा हुआ था। बस देर किस बात की थी, ऐश्वर्या ओवर प्रोटेक्टिव मां होने के चलते सोशल मीडिया पर ट्रोल होनी शुरू हो गई।

एक यूजर ने लिखा, ओवर प्रोटेक्टिव पापा को भी कभी हाथ पकड़ने दो, सिर्फ तुम्हारी ही नहीं है। वहीं एक और यूजर ने लिखा, मुझे लगता है कि बेटी होने के बाद इन्होंने पति की फिक्र करनी बंद कर दी है। इसके अलावा एक और यूजर ने लिखा, यह अभी-भी इनका हाथ पकड़ती हैं जैसे यह तीन साल की बच्ची हों। यह महिला अपने बच्चे से ज्यादा ऑब्सेस्ड है। उसका पिता भी उसको पकड़ नहीं सकता, यह छोड़ती ही नहीं है। एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन ने दर्शकों के दिलो में अपने काम से जगह बनाई। एक के बाद एक हिट फिल्में देकर उनका विश्वास जीता। हाल ही में वैलेंटाइन्स डे के मौके पर ऐश्वर्या राय बच्चन ने कुछ फोटोज शेयर कीं। इसमें बेटी संग सेल्फी से लेकर गुलाब और केक की फोटोज शामिल हैं। ऐश्वर्या राय बच्चन ने बेटी संग कैमरे में पोज देती नजर आ रही हैं। फोटोज में ऐश्वर्या बहुत कम मेकअप में नजर आ रही हैं। वहीं, आराध्या बच्चन हाथ में लाल रंग का हार्ट पकड़े नजर आ रही हैं।

अक्षय कुमार ने क्लिक की कृति सेनन की खूबसूरत तस्वीर, इंटरनेट पर हुई वायरल

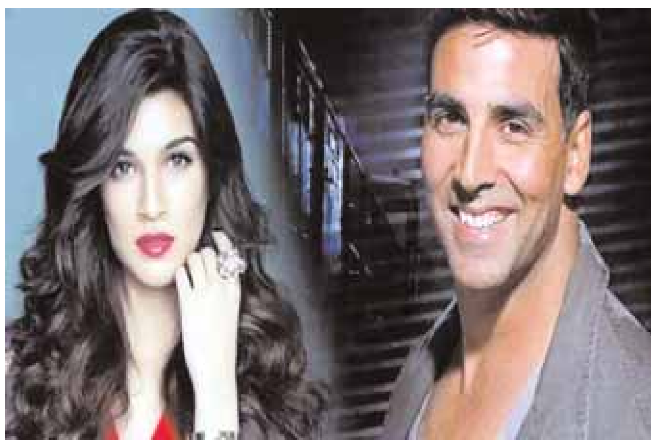

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन ने अपने इंस्टग्राम पर अपनी एक फोटो शेयर की है। इस फोटो को शेयर करते हुए उन्होंने बताया है कि एक्टर अक्षय कुमार ने इस फोटो को क्लिक किया है। कृति ने जो तस्वीर अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर की उसमें वह काफी खूबसूरत नजर आ रही हैं। क्लोजअप शॉट फोटो में कृति का केवल चेहरा दिख रहा है। एक्ट्रेस ने न्यूड मेकअप कर रखा है जिसके साथ उन्होंने लाल रंग की लिपस्टिक लगा रखी हैं। इस फोटो में कृति की ब्राउन कलर की आंखें कहर ढा रही हैं। जो काफी वायरल हो रही हैं। इस फोटो को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा, 'जब बच्चन पांडे आका ञअक्षय कमार फेटोग्राफर बन जाएं..'। कृति की तस्वीर पर फैंस जमकर कमेंट कर उनकी तारीफकर रहे हैं। जल्द होने वाली है करीना कपूर की डिलीवरी, दुआ के लिए चर्च के बाहर पिता रणधीर कपूर के साथ दिखीं मां बबीता गौतरतलब है कि बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार और कृति सेनन पहली बार अपकमिंग फिल्म 'बच्चन पांडे'में एक साथ नजर आने वाले हैं।

Jamai Raja 2 में बोल्ड सीन करने पर निया शर्मा को नहीं हुई हिचकिचाहट, बोलीं- मैंने सब कर लिया

नई दिल्ली। छोटे पर्दे की जानी-मानी एक्ट्रेस निया शर्मा अब वेब सीरीज का रुख भी कर चुकी हैं। यहां पर निया के बोल्ड अवतार ने सभी को चौंका दिया। अपनी बेबाकी के लिए पहचानी जाने वाली एक्ट्रेस निया शर्मा ने हाल ही में ओटीटी प्लैटफॉर्म पर दिए बोल्ड सीन्स को लेकर बात की है। निया ने टीवी शो 'जमाई राजा' के वेब स्पिन ऑफ 'जमाई राजा 2.0' में अभिनेता रवि दुबे के साथ कई स्टीमी सीन्स दिए हैं। इसे लेकर बात करते हुए निया ने बताया कि उन्हें ऐसे सीन्स करने में अब हिचकिचाहट क्यों महसूस नहीं होती है? इसके साथ ही निया ने रवि के साथ काम करने का अनुभव भी साझा किया है।

'जमाई राजा 2.0' के एक्टर रवि दुबे की पत्नी सरगुन मेहता ने बताया था कि वो शुरुआत में इंटीमेट सीन करने को लेकर काफी असहज थे। वहीं अब निया ने बताया है कि उन्हें ऐसी कोई हिचकिचाहट नहीं थी। निया ने बॉलीवुड लाइफ से बातचीत ते दौरान बताया कि 'मैं बाकी सबसे काफी पहले ही ओटीटी स्पेस पर आ गई थी, जब ये शुरू ही हो रहा था। मैं ट्विस्टेड से आई थी, ये सीरीज काफी पहले ही चल गई थी जब कोई एक्सपेरिमेंट के लिए तैयार ही नहीं था'।

बोल्ड सीन्स को लेकर निया ने आगे कहा - 'मैंने वहां सब कर लिया है। मैं एक तरह से ओटीटी स्पेस पर सहज हो गई हूं'। वहीं उन्होंने अपने को-स्टार रवि दुबे को लेकर कहा- 'जब रवि की बात आती है तो मैंने हमेशा उन्हें अच्छा, सभ्य और गंभीर एक्टर पाया है। मुझे रवि के साथ इस तरह के सीन्स करने में कोई दिक्कत नहीं हुई। वो आपको कभी असहज महसूस नहीं करवाते हैं'।

आज फिर बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम, गंगानगर में 100 के पार और मुंबई में 96 रुपए हुआ पेट्रोल

नई दिल्ली । पेट्रोल और डीजल के दाम आसमान छू रहे हैं। सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियों ने लगातार नौवें दिन पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ाए हैं। कंपनियों की अधिसूचना के मुताबिक पेट्रोल की कीमत में 26 पैसे प्रति लीटर तक और डीजल की कीमत में 26 पैसे प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की गई है। दिल्ली, मुंबई जैसे महानगरों में दाम नए-नए रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं। राष्ट्रीय राजधानी में पेट्रोल की कीमत बुधवार को 89.54 रुपये प्रति लीटर और मुंबई में पट्रोल की कीम 96 रुपये हो गई है। राजस्थान के गंगानगर में पेट्रोल का रेट 100 रुपये के पार पहुंच गया है। यहा आज पेट्रोल का रेट 100.13 रुपये रहा।

सिर्फ आठ दिन में 2.57 रुपये महंगा हुआ पेट्रोल-डीजल

राजस्थान के गंगानगर मे पेट्रोल की कीमत मंगलवार को 100 रुपये प्रति लीटर के पार पहुंच गई है। जो भारत में अब तक का उच्चतम स्तर है। लगातार आठ दिनों में, पेट्रोल के लिए कीमतों में 2.34 रुपये प्रति लीटर और डीजल में 2.57 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि की वजह से खुदरा कीमतें बढ़ी हैं। इसका कारण स्थानीय बिक्री कर या मूल्यवर्धित कर (वैट) और माल भाड़ा अलग अलग राज्यों में भिन्न भिन्न होना है।

राजस्थान में पेट्रोल 100 रुपये प्रति लीटर के पार

देश में ईंधन पर सबसे अधिक वैट वसूलने वाले राज्य, राजस्थान में पेट्रोल और डीजल की सबसे अधिक कीमतें हैं। राज्य के श्रीगंगानगर शहर में, पेट्रोल की कीमत बढ़कर 100.13 रुपये और डीजल उछलकर 92.13 रुपये प्रति लीटर हो गया। श्रीगंगानगर में ब्रांडेड पेट्रोल की कीमत 102.91 रुपये प्रति लीटर और इसी तरह के ग्रेड डीजल की कीमत 95.79 रुपये हो गई है। केंद्रीय और राज्य कर, खुदरा बिक्री मूल्य, पेट्रोल के लिए 60 प्रतिशत और डीजल के लिए 54 प्रतिशत हिस्सा बनते हैं। केंद्र सरकार पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क पर 32.90 रुपये और डीजल पर 31.80 रुपये प्रति लीटर वसूलती है।

हर सुबह होती तय होती हैं कीमतें: दरअसल विदेशी मुद्रा दरों के साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड की कीमत के आधार पर रोज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव होता है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियां कीमतों की समीक्षा के बाद रोज़ाना पेट्रोल और डीजल के रेट तय करती हैं।

मुनाफावसूली ने शेयर बाजार की तेजी थामी, 52000 के नीचे आया सेंसेक्स

नई दिल्ली। वैश्विक बाजारों की नरमी के बीच कुछ बड़ी कंपनियों के नुकसान के चलते बुधवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 300 अंक से अधिक गिर गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 310.50 अंक यानी 0.60 प्रतिशत की गिरावट के साथ 51,793.67 पर कारोबार कर रहा था। एनएसई का निफ्टी भी 74.35 अंक यानी 0.49 प्रतिशत नीचे 15,239.10 अंक पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की कंपनियों में नेस्ले इंडिया लगभग चार प्रतिशत की गिरावट के साथ सबसे अधिक नुकसान में रही। इसके बाद ओएनजीसी, एचडीएफसी, टीसीएस, पावरग्रिड और आईसीआईसीआई बैंक का स्थान रहा। वहीं, बजाज ऑटो, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), बजाज फाइनेंस और रिलायंस इंडस्ट्रीज बढ़त में रहीं।

वैश्विक स्तर पर मिले-जुले रुख के बीच बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों मंगलवार को मामूली गिरावट के साथ बंद हुए।

आशीष नेहरा ने बताया किस खिलाड़ी की लगेगी सबसे ऊंची बोली

नई दिल्ली। एक बार फिर से आईपीएल का मंच सज चुका है। कई बड़े खिलाड़ियों की नीलामी 18 फरवरी को की जाएगी। इस बार के मिनी ऑक्शन में जहां सभी की निगाहें किंग्स इलेवन पंजाब, चेन्नई सुपर किंग्स जैसी टीमों पर होगी। ऐसे में किस खिलाड़ी की सबसे ऊंची बोली लगेगी यह 18 फरवरी को ही पता चलेगा। भारत के पूर्व क्रिकेटर आशीष नेहरा ने बांग्लादेश के पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन को सबसे ऊंचे दाम में खरीदे जाने की संभावना जताई है। हालांकि आकाश चोपड़ा इससे सहमत नहीं हैं।

मोईन अली के घर लौटने पर ऐसा क्या बोल गए रूट कि मांगनी पड़ गई माफी

स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम में आशीष नेहरा ने कहा, 'एक और आईपीएल ऑक्शन में कई बड़े नामों पर बोली लगाई जाएगी। लेकिन मेरे हिसाब से एक नाम जिसकी सबसे ऊंची बोली लगाई जाएगी वह शाकिब अल हसन होंगे।

क्वालिटी कंसेप्ट्स के नेशनल कन्वेंशन में

वी. के. बी दास ने किया सम्मान

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात सयंत्र के फोर्ज एवं स्टील स्ट्रक्चरल शॉप में 15 फरवरी, 2021 को नेशनल कन्वेंशन में जीतने वाली क्वालिटी सर्कल व 5-एस टीमों का सम्मान करने हेतु पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया है। इस आयोजन में क्वालिटी सर्कल फोरम ऑफ इंडिया के हेड क्वार्टर हैदराबाद से एडिशनल डायरेक्टर (टेऊनिंग एंड डेवलपमेण्ट) श्री वी. के. बी दास मुख्य अतिथि तथा फोर्ज एवं स्टील स्ट्रक्चरल शॉप के विभाग प्रमुख एवं महाप्रबंधक (फोर्ज-एस एस ,रिक्लेमेशन एवं टी पी एल) श्री एस .के. बढ़िए विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

इस विशेष आयोजन में क्यूसीएफआई के एडिशनल डायरेक्टर श्री वी. के. बी दास ने, फोर्ज एवं स्टील स्ट्रक्चरल शॉप के सभागार में क्यूसीएफआई के नेशनल कन्वेंशन-2020 की विभिन्न प्रतियोगितायों में पुरस्कृत प्रतिभागियों को सम्मानित किया।

महाराष्ट्र के पर्यटन विभाग द्वारा जुन्नर में प्रतिष्ठित अंगूर उत्सव का आयोजन

मुंबई। राज्य सरकार का पर्यटन विभाग, 19 से 21 फरवरी 2021 तक महाराष्ट्र के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक, जुन्नर में 3-दिवसीय अंगूर महोत्सव की मेजबानी करेगा। इस महोत्सव का उद्देश्य जुन्नर के अंगूर के बगीचों को राज्य के अत्यधिक लोकप्रिय पर्यटन स्थल बनाना और अंगूर कृषि-पर्यटन को बढ़ावा देना है।

महामारी के एक मुश्किल वर्ष के बाद, फिर से पर्यटकों के स्वागत के लिए तैयार महाराष्ट्र, राज्य में घूमने और राज्य भर के उत्सवों में शामिल होने का सुनहरा अवसर प्रदान करता है। मालशेज़ की खूबसूरत पर्वत श्रृंखलाओं से घिरा जुन्नर, अपने घुमावदार प्राकृतिक घाटों, पुरातन गुफाओं और दो अष्टविनायक मंदिरों के साथ राज्य का एक आदर्श पर्यटन स्थल है।

पर्यटन निदेशालय पुणे क्षेत्र की उप निदेशक सुप्रिया करमरकर ने बताया, ÷महोत्सव में पर्यटक खेत-के-ताजे अंगूरों के विशेष सफर का आनंद उठा सकेंगे, मौके पर ही पेय पदार्थों का उपभोग कर सकेंगे, उन्हें खरीद सकेंगे और वाइन बनाने की पूरी प्रक्रिया देख सकेंगे। यहाँ अंगूरों की विभिन्न किस्में और अंगूर के उत्पाद जैसे कि किशमिश, ब्लैक करंट, ग्रेप जूस आदि होंगे। पर्यटकों को सीधे खेत से ताजा-तोड़े गए अंगूर खरीदने का मौका भी मिलेगा।÷

उन्होंने आगे कहा, ÷अंगूर की फसल उगाने वालों को पर्यटकों, विशेषज्ञों और व्यावसायिक उद्यमों के साथ मिलने और अनुभव का आदान-प्रदान करने के अवसर के साथ, यह उनकी पहुँच का दायरा बढ़ाने में मदद करने का एक उत्कृष्ट तरीका है। उत्सव का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने के लिए, प्रतिभागियों को 18 फरवरी तक अपना पंजीकरण कराना होगा। वे https://bit.ly/xtUCoQL पर जा सकते हैं और इसका हिस्सा बनने के लिए फॉर्म भर सकते हैं।

IPL- 2021

18 फरवरी को होने वाले मिनी ऑक्शन में कुल 292 खिलाड़ियों की बोली लगाई जाएगी

कब, कहां और कैसे देख पाएंगे आईपीएल का लाइव ऑक्शन, जानें पूरी डिटेल

नई दिल्ली। आईपीएल के नए सीजन के लिए होने वाले मिनी ऑक्शन में अब कुछ ही समय शेष हैं। ऐसे में सभी की निगाहें इस पर टिकी हुई हैं कि कौन सी टीम किस खिलाड़ी पर दांव लगाएगी। फैन्स इस आईपीएल ऑक्शन का लम्बे समय से इंतजार कर रहे थे। 18 फरवरी को होने वाले मिनी ऑक्शन में कुल 292 खिलाड़ियों की बोली लगाई जाएगी। 1,114 खिलाड़ियों ने आईपीएल ऑक्शन में शामिल होने की इच्छा जताई थी।

बीसीसीआई के अनुसार 164 भारतीय, 125 विदेशी खिलाड़ी, 3 एसोसिएट देशों के खिलाड़ी इस नीलामी का हिस्सा होंगे। सभी खिलाड़ियों को बेस प्राइज के आधार पर अलग-अलग कैटगिरी में बांटा गया है। इसमें से सिर्फ 61 खिलाड़ी ही खरीदे जाएंगे। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के पास 11 स्थान खाली है। वहीं किंग्स इलेवन पंजाब ने इस बार कई खिलाड़ियों को रिलीज कर पैसा बचाया है। ऐसे में वह भी बड़े खिलाडियों पर दांव लगा सकते हैं।

लेकिन फैन्स के मन में आ रहा होगा कि वह आईपीएल का लाइव टेलीकास्ट कहां देख पाएंगे। आइए हम आपके इन सवालों के जवाब दे देते हैं। भारतीय समयानुसार 3 बजे ऑक्शन स्टार्ट होगा। इसका सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स 1, स्टार स्पोर्ट्स 1 ॥ष्ठ, स्टार स्पोर्ट्स 3, स्टार स्पोर्ट्स 3 ॥ष्ठ चैनल पर किया जाएगा। वहीं हॉटस्टार लोग आनलाइन भी इसे देख पाएंगे।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग: टॉप 5 ऑलराउंडर्स में शामिल हुए रविचंद्रन अश्विन, रोहित शर्मा और ऋषभ पंत ने भी लगाई लंबी छलांग

नई दिल्ली। आईसीसी की ताजा टेस्ट रैंकिंग में रविचंद्रन अश्विन टॉप 5 ऑलराउंडरों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं, जबकि नवंबर 2019 के बाद चेन्नई टेस्ट में 161 रनों की पारी खेलने वाले रोहित शर्मा टॉप 15 बल्लेबाजों में शुमार हो गए हैं। अश्विन गेंदबाजी में सातवें और बल्लेबाजी में 14 पायदान ऊपर चढ़कर 81वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं, दूसरे टेस्ट की पहली पारी में शानदार अर्धशतक जड़ने वाले ऋषभ पंत अपने करियर की बेस्ट टेस्ट रैंकिंग 11वें नंबर पर पहुंच गए हैं। विराट कोहली दूसरी इनिंग में 62 रनों की पारी खेलने के बावजूद भी 5वें नंबर पर ही हैं।

अपने टेस्ट डेब्यू मैच में पांच विकेट चटकाने वाले अक्षर पटेल ने टेस्ट रैंकिंग में प्रवेश कर लिया है और वह 68वें नंबर पर हैं। जनवरी 2019 के बाद टेस्ट क्रिकेट में विकेट लेने वाले कुलदीप यादव की टॉप 50 गेंदबाजों की लिस्ट में वापसी हुई है। इंग्लैंड की तरफ से स्पिन गेंदबाज जैक लीच भी छह पायदान ऊपर चढ़कर गेंदबाजों की ताजा रैंकिंग में 31वें नंबर पर आ गए हैं। इंग्लैंड टीम के टेस्ट कप्तान जो रूट दूसरे टेस्ट में फ्लॉप रहने के बावजूद भी नंबर चार पर बने हुए हैं। स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने ने ऑलराउंडरों की रैंकिंग में अपनी टॉप पोजिशन गंवा दी है और अब वह फिसलकर रवींद्र जडेजा के नीचे तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं।

बल्लेबाजों की रैंकिंग में न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन टॉप पर बने हुए हैं, जबकि स्टीव स्मिथ दूसरे नंबर पर मौजूद हैं। गेंदबाजों में ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस नंबर एक टेस्ट बॉलर के स्थान पर बरकरार हैं। भारत ने इंग्लैंड को चेन्नई में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में 317 रनों से हराया, जिसके बाद वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की रैंकिंग में भारत एकबार फिर दूसरे नंबर पर पहुंच गया है, जबकि इंग्लैंड चौथे नंबर पर खिसक गया है।

■ न्यूज गैलरी

नवाचारों के माध्यम से उच्च शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण बनायें निजी विश्वविद्यालय : मंत्री डॉ.यादव

भोपाल। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा कि निजी विश्वविद्यालय अपने संस्थान की गुणवत्ता अच्छी रखने के प्रयास करें। नैक तथा एन.आई.आर.एफ. से मूल्यांकन करवा कर उच्चतम रैंकिंग हासिल करें। उच्च शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण एवं बेहतर बनाने के लिए नवाचारों पर ध्यान दें। मंत्री डॉ. यादव बुधवार को मंत्रालय में निजी विश्वविद्यालयों के संचालकों, कुलपति एवं कुलाधिपतियों से परिसंवाद स्थापित कर रहे थे। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. यादव ने कहा कि निजी विश्वविद्यालय सामाजिक दायित्व के तहत कम से कम 5 गाँवों को गोद लेकर उनके पिछड़ेपन को दूरकर विकास में योगदान करें। स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहित करने के पाठ्यक्रमों के संचालन में सहयोग करें। प्लेसमेंट सेल को प्रभावी बनाकर अधिकाधिक रोजगार दिलाने में मदद करें। रोजगार मेले के आयोजन में शासकीय महाविद्यालयों को भी साथ लेकर काम करें। उच्च शिक्षा की गुणवत्ता बनाये रखने एवं लोगों में विश्वास बढ़ाने के लिए उच्च शिक्षा के विभिन्न पहलुओं को मजबूत करें। शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन में सहयोग करें। मंत्री डॉ.यादव ने कहा कि निजी विश्वविद्यालय एवं शासकीय विश्वविद्यालय मिलकर उच्च शिक्षा को बेहतर बना सकते हैं। हमारी उच्च शिक्षा प्रणाली बेहतर होगी तो हम पूरे विश्व के साथ कदम से कदम मिलाकर चल सकेंगे। उन्होंने कहा कि सभी निजी विश्वविद्यालयों में इन्क्यूवेशन सेंटर खोले जायें तो बेहतर होगा। इसके लिए शासन से राशि भी उपलब्ध कराई जाती है। निजी विश्वविद्यालयों की सहभागिता अधिक होगी तो शिक्षा जगत के लिए महत्वपूर्ण योगदान होगा। निजी एवं शासकीय विश्वविद्यालय एक-दूसरे के पूरक है। निजी विश्वविद्यालयों के उपस्थित प्रतिनिधियों ने अपने अनुभव एवं नवाचार साझा किए।

यहां खुला मोदी वसूली केन्द्र, कांग्रेस के पूर्व मंत्री ने किया उद्घाटन

भोपाल। पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों को लेकर मध्यप्रदेश में कांग्रेस आक्रामक हो गई है। राजधानी भोपाल सहित प्रदेश के जिलों में कांग्रेस सड़कों पर उतर आई है और विरोध प्रदर्शन कर रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने 20 फरवरी को प्रदेश बंद का ऐलान किया है लेकिन इससे पहले ही कांग्रेस नेता सड़कों पर आ गए हैं और जमकर विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। पूर्व मंत्री व कांग्रेस विधायक पीसी शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पेट्रोल डीजल की बढ़ती कीमतों के विरोध में जमकर विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसियों ने एक पेट्रोल पंप को ही मोदी वसूली केन्द्र बना दिया और पूर्व मंत्री पीसी शर्मा से इसका उद्घाटन कराया। विरोध प्रदर्शन में पहुंचे पीसी शर्मा ने कहा कि जिस तरीके से पेट्रोल और डीजल पर टैक्स वसूला जा रहा है उससे अब इन्हें वसूली केंद्र कहना ही ज्यादा ठीक रहेगा. बता दें कि प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष कमलनाथ ने पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दामों के खिलाफ प्रदेशबंद का ऐलान किया है। कमलनाथ ने 20 फरवरी को कांग्रेस कार्यकर्ताओं से सड़कों पर उतरकर महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन करने की अपील की है। कमलनाथ ने ट्वीट कर लिखा- पेट्रोल-डीज़ल एवं रसोई गैस के दामों में निरंतर वृद्धि हो रही है। जनता पर महंगाई की मार निरंतर बढ़ती जा रही है। जो लोग महंगाई से राहत के नाम पर सत्ता में आये थे वो आज जनता को रोज़ महंगाई की आग में झोंक रहे हैं। जनता निरंतर कर में राहत प्रदान करने की मांग कर रही है, लेकिन भाजपा सरकार तानाशाही रवैया अपनाते हुए किसी भी प्रकार की राहत प्रदान नहीं कर रही है। कांग्रेस जनता के साथ सदैव खड़ी है।

सीएम के सामने फूटा गुस्सा

सीधी दौरे पर गए शिवराज से बोला परिवार- सस्पेंड नहीं, रोड और पुलिसवालों को बर्खास्त करिए

इधर प्रदेशभर में दिखावे की आरटीओ चेकिंग शुरू

सीएम रीवा से रामपुर नैकिन के बाद चुरहट, पचोखर, पड़रिया, कुकरझर, सीधी में परिजन से मिल रहे हैं

कई जगह परिवहन विभाग और पुलिस ने बेरियर लगाकर ओवरलोड बसों को रोका, दो बसें जब्त

सीएम के काफिले में शामिल गाड़ियां भी आपस में टकराईं

सीधी/रीवा/भोपाल (नवप्रदेश) सीधी में मंगलवार को हुए बस हादसे में अब तक 51 लोगों की मौत हो चुकी है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान बुधवार दोपहर करीब 2.15 बजे सीधी के रामपुर नैकिन पहुंचे। छ्रूचौहान बस हादसे में मृत लोगों के घर पहुंचे और परिजनों को ढाढस बंधाया। कुछ जगह परिजन उनसे लिपटकर रो पड़े तो शिवराज भावुक हो गए। इस दौरान उन्हें परिवार के गुस्से का भी सामना करना पड़ा। एक परिवार ने जाते-जाते उनसे कहा कि रहम मत कीजिए। सस्पेंड करना समाधान नहीं। जिम्मेदार रोड और पुलिसवालों को पद से हटाइए। इधर, हादसे के बाद पूरे प्रदेश में प्रशासन ने बसों की चेकिंग शुरू कर दी है। बुधवार को जांच के दौरान दो बसें भी जब्त की गई। अमूमन हादसे के बाद कार्रवाई की रस्म अदायगी हर सरकार कराती रही है। अभी तक दो बसें जब्त की हैं। मुख्यमंत्री ने गांव पहुंचकर पीड़ित गुप्ता परिवार से मुलाकात की। सीएम ने संवेदना व्यक्त कर हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। इस पर परिवार ने कहा,

%अगर सड़क जाम नहीं होती, तो हमारे बच्चे और पत्नी जिंदा होती, सड़क बनवा दीजिए। जो मेरे साथ हादसा हुआ, किसी और परिवार के साथ ना हो। सुरेश गुप्ता अपनी बहू पिंकी और पोते अथर्व के साथ सफर कर रहे थे। सुरेश बच गए, जबकि बहू-पोता नहर में डूब गए। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने कहा, मैं हादसे के दिन ही घटनास्थल पर जाना चाहता था, लेकिन वहां रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा था। ऐसे समय पर जाने में अभियान में व्यवधान होता है। मेरे दो मंत्री साथी तुलसी सिलावट और रामखेलावन पटेल मौके पर गए थे। उन्होंने कहा कि मैं सीधी जिले के उन गांवों में जाकर मृतकों परिजनों से भेंट करूंगा और जानकारी लूंगा। उन्होंने आगे कहा कि हादसे में जो बेटे-बेटी और भाई-बहन चले गए, उनकी जिंदगी तो नहीं लौटा सकते, लेकिन परिजनों की जिंदगी कैसे आसान बने, इसके लिए प्रयास किए जाएंगे। मैं घटना के मूल कारणों तक जाने की कोशिश करूंगा। मुख्यमंत्री बस हादसे में मृत विमला द्वेदी के घर भी पहुंचे। यहां उनकी दोनों बेटियां मुख्यमंत्री से लिपटकर रोने लगीं। इस दौरान सीएम भी भावुक हो गए। विमला की बेटी स्वर्ण लता ने सीएम से कहा कि मां मुझे एएनएम की परीक्षा दिलाने ही जा रही थी। उसका सपना था, मैं नर्स बन जाऊं। मैं तो बच गई, लेकिन मां चली गई। परिवार वालों ने कहा कि मां का बलिदान बेकार नहीं जाना चाहिए।

अचानक तय हुआ दौरा

सीएम रीवा से रामपुर नैकिन के बाद चुरहट, पचोखर, पड़रिया, कुकरझर, सीधी भी जाने वाले हैं। वह मृतकों के परिजनों से बात करेंगे। मुख्यमंत्री का आज सुबह तक सीधी जाने का कार्यक्रम नहीं था, लेकिन दोपहर 12 बजे उन्होंने मंत्रालय में होने वाली सभी बैठकों को निरस्त कर सीधी जाने का फैसला लिया। सीधी रवाना होने से पहले मुख्यमंत्री भोपाल स्थित प्रशासन अकादमी में वन अफसरों की एक दिवसीय कार्यशाला में शामिल हुए थे। इसके बाद मंत्रालय में श्रम विभाग, श्रम विद्यालय की स्थिति, हेरिटेज शराब नीति, तकनीकी शिक्षा विभाग और मड़िखेड़ा जल प्रदाय योजना शिवपुरी की समीक्षा बैठक करने वाले थे।

हादसे के बाद जागा आरटीओ, अवैध रूप से दौड़ रहीं दो बसें जब्त

सीधी बस हादसे में 51 लोगों की मौत के बाद आरटीओ उड़नदस्ते ने बुधवार को यात्री बसों की चेकिंग शुरू कर दी। सुबह 10 बजे से सड़क पर बसों का चेकिंग अभियान शुरू किया गया। सुबह 11:30 बजे तक भोपाल, सीहोर, इंदौर मार्ग पर बिना फिटनेस, बीमा के दौड़ रही दो बसों को जब्त कर लिया। शाम छह बजे तक लगातार रायसेन, विदिशा, होशंगाबाद रोड पर बसों का चेकिंग अभियान चलाया जाएगा।

देश में सर्वाधिक बाघ मध्य प्रदेश में, तेदुआ प्रदेश का भी मिला दर्जा

टाइगर स्टेट और तेंदुआ प्रदेश के बाद बड़ी खबर 2437 वर्ग किलोमीटर बड़ा अति सघन वन क्षेत्र

गिद्ध और घड़ियाल की संख्या भी सर्वाधिक

ढाई लाख हेक्टेयर बढ़ा सघन वन

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। मध्य प्रदेश वन्य जीव जंतुओं के लिये देश का सबसे पसंदीदा प्रदेश बन गया है। इसी साथ ही एक और बड़ी खबर आई है कि प्रदेश में वन्य जीवों की बढ़ती संख्या के साथ ही अति सघन वन क्षेत्र में भी बढ़ोत्तरी हो गई है। प्रदेश में बढ़ते वन क्षेत्र जीव-जंतुओं के लिये अनुकूल परिस्थिति निर्मित करते हैं।

ढाई लाख हेक्टेयर बढ़े सघन वन

वन विभाग के ताजा आंकड़ो के अनुसार मध्य प्रदेश में अति सघन वन क्षेत्र में 2437 वर्ग किलोमीटर यानी कि 2 लाख 43 हजार 700 हेक्टेयर की वृद्धि हो गई है। इस बढ़ोत्तरी में वन समितियों और वन विभाग के प्रयास सराहनीय है। सीएम शिवराज ने । मंत्रालय में वन विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि यह प्रदेश के लिये बड़ी उपलब्धि है भारतीय वन सर्वेक्षण 2019 की रिर्पाट में बताया गया हैं। भारतीय वन सर्वेक्षण के अनुसार साल 2005 में प्रदेश में अति सघन वन क्षेत्र 4239 वर्ग किलोमीटर था, जो 2019 में बड़ कर 6676 वर्ग किलोमीटर अर्थात 6 लाख 67 हजार 600 हेक्टेयर हो गया है।

पुरस्कृत होंगी वन समितियां

मुख्यमंत्री ने वन समितियों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वनावरण बड़ाने वाली वन समितियों को प्रोत्साहित और पुरस्कृत किया जायेगा। वन समितियों को सशक्त बनाया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा वे स्वयं वन क्षेत्र विस्तार में बेहतर कार्य करने वाली वन समितियों के द्वारा लगाये गये वनों का अवलोकन करेंगे।

रोजगार की योजना

वनावरण में वृद्धि के साथ ही वन आधारित गतिविधियों तथा वनोपजों के संग्रहण और विक्रय में रोजगार के अवसर बड़ाये जाये। वन अमला सात लाख 68 हजार व्यक्तियों को 100 दिवस रोजगार देने का एक्शन प्लान तैयार हो गया है, जो एक अप्रैल 2021 से क्रियान्वित होगा। इसके साथ ही 317 ग्राम वन समितियों की सूक्ष्म प्रबंध योजना तैयार की गयी है।

अनुग्रह अनुदान राशि 20 लाख

वीर गति प्राप्त वनकर्मियों के आश्रितों की अनुग्रह अनुदान राशि 10 लाख रूपये से बड़ाकर 20 लाख रूपये की जायेगी। वही प्रदेश में 32 लघु वनोपजों का न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित कर दिया गया है। समर्थन मूल्य की जानकारी ग्रामीणों को दी जा रही है।

बफर में सफर शुरू

बफर में सफर के अंतर्गत बफर जोन में दिन एवं रात्रि सफारी, हॉट एयर बैलून तथा मचान गतिविधियों को शुरू किया गया है। लघु वनोपज का संवहनीय प्रबंधन के अंतर्गत विभागीय वृक्षारोपण में लघु वनोपज प्रजातियों के रोपण को 5 प्रतिशत से बड़ाकर 10 प्रतिशत किया जायेगा। 86 वन-धन केन्द्रों

मुख्यमंत्री चौहान ग्रामीण पथ-विक्रेताओं को देंगे ब्याज मुक्त ऋण की सौगात

वर्चुअल कार्यक्रम 18 फरवरी को

चौथी बार हो रहा सामूहिक ऋण वितरण कार्यक्रम

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान 18 फरवरी को ग्रामीण पथ-विक्रेताओं को उनके रोजगार की बेहतरी के लिये ऋण वितरण करेंगे। मिंटो हाल भोपाल में दोपहर 12 बजे वर्चुअल होने वाले कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री चौहान योजना के हितग्राहियों से संवाद भी करेंगे। प्रदेश में मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ-विक्रेता योजना में चौथी बार हितग्राहियों को एक साथ ऋण वितरण किया जा रहा है। कार्यक्रम में प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री महेंद्र सिंह सिसौदिया एवं राज्य मंत्री श्री राम खेलावन पटेल भी मौजूद रहेंगे।

मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ-विक्रेता योजना में अभी तक एक लाख से अधिक ग्रामीण प्रवासी श्रमिकों सहित अन्य जरूरतमंद पथ-विक्रेताओं को राज्य शासन की गारंटी पर 10-10 हजार रूपये का ब्याज मुक्त ऋण देकर लाभान्वित किया जा चुका है। योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में पथ-विक्रेता व्यवसाइयों को 10 हजार रूपये तक बैंक से कार्यशील पूंजी ऋण के रूप में उपलब्ध कराने में सहयोग करना, नियमित ऋण वापसी को प्रोत्साहित करना तथा छोटे उद्यमियों को व्यापार-व्यवसाय में प्रशिक्षण में सहयोग देना है। योजना में राज्य शासन द्वारा प्रति हितग्राही रूपये 10 हजार तक के ऋण पर 14 प्रतिशत तक ब्याज अनुदान की प्रतिपूर्ति का भी प्रावधान है। योजना में राज्य शासन की क्रेडिट गारंटी रहेगी। योजना के पात्र हितग्राहियों को स्टाम्प ड्यूटी के प्रयोजनों से भी विमुक्त रखा गया है।

योजना में 18 से 55 आयु वर्ग के ग्रामीण प्रवासी श्रमिक, गरीब परिवार और ग्रामीण क्षेत्र के ऐसे परिवार की महिलाओं, जो आजीविका मिशन या तेजस्विनी परियोजना में गठित स्व-सहायता समूह की सदस्य हों, को लाभ दिया जाता है। शैक्षणिक योग्यता और जाति-वर्ग का कोई बंधन नहीं है। योजना को सरल एवं पारदर्शी बनाने के लिए कामगार सेतु पोर्टल बनाया गया है। पोर्टल के माध्यम से अभी तक 14 लाख 15 हजार से अधिक हितग्राहियों का पंजीयन कराया जा चुका है। इनमें से 1 लाख 41 हजार से अधिक हितग्राहियों के प्रकरण बैंक द्वारा स्वीकृत होकर 1 लाख से अधिक प्रकरण वितरण योग्य हैं।

यात्री बसों के सुव्यवस्थित संचालन के लिये चलेगा विशेष चेकिंग अभियान

परिवहन मंत्री राजपूत ने दिये निर्देश

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। परिवहन एवं राजस्व मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने यात्री बसों के प्रभावी और सुव्यवस्थित संचालन के लिये प्रदेशव्यापी अभियान चलाने के निर्देश अपर मुख्य सचिव परिवहन को दिये हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में विशेष चेकिंग अभियान भी चलाया जाये। परिवहन मंत्री ने बताया कि प्रदेश-स्तर पर चलाये जाने वाले 7 दिवसीय अभियान में संचालित यात्री वाहनों के परमिट की वैधता, बसों के फिटनेस प्रमाण-पत्र, परमिट से भिन्न मार्ग पर चलने वाले यात्री वाहन, क्षमता से अधिक सवारी ले जाने वाले, भोपाल और इंदौर जैसे बड़े शहरों में चलने वाली यात्री बसों की छतों पर सामान ले जाने, बीमा एवं टैक्स संबंधी प्रपत्रों की जाँच की जायेगी। इनमें से कोई भी कमी पाये जाने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

बसों की रफ्तार पर लगेगा अंकुश

परिवहन मंत्री ने कहा कि यात्री वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने की एक वजह वाहनों का निर्धारित गति से अधिक रफ्तार से चालन भी है। यात्री बस के ड्रायवर-कंडक्टर अधिक सवारियों के लोभ में तेज गति से वाहन दौड़ाते हैं, जिससे वाहनों की तेज गति दुर्घटना का कारण बनती है। उन्होंने कहा कि इस पर अंकुश लगाने के लिये यात्री बसों में स्पीड गवर्नर लगाये जाने के संबंध में पूर्व में निर्देशित किया गया था। चैकिंग के दौरान अधिकारी स्पीड गवर्नर लगे हैं या नहीं, यह भी चेक करे। उन्होंने कहा कि यात्री बसों में ओव्हर-लोडिंग अर्थात् क्षमता से अधिक यात्रियों को बैठाने के कारण भी दुर्घटनाएँ होती हैं, इस पर भी ध्यान दें। किसी भी हालत में यात्रियों की जान-माल से समझौता नहीं किया जायेगा।

मैं स्वयं भी करुँगा औचक निरीक्षण

परिवहन मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि यात्री बसों के संचालन को नियंत्रित करने के लिये मैं स्वयं भी सड़कों पर बसों का औचक निरीक्षण करूँगा। किसी भी प्रकार की अनियमितता मिलने पर बस मालिक के साथ संबंधित परिवहन अधिकारी के विरुद्ध भी अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी। बस मालिक के साथ अधिकारी स्वयं भी अपने उत्तरदायित्व के प्रति सजग रहें।

परमिट के अनुसार हो यात्री वाहनों का संचालन

परिवहन एवं राजस्व मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि अभियान में इस बात पर सतत निगाह रखें कि बसों का संचालन परमिट के अनुसार ही हो। निर्धारित रूट से भिन्न मार्ग पर चलने वाले वाहनों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाये। उन्होंने सीधी की दुुखद बस दुर्घटना का हवाला देते हुए कहा कि यह हादसा भी बस चालक की गलती का ही नतीजा है। इससे हमें सबक लेना चाहिये।

कोलार में दो महीने बाद नयापुरा तिराहे का ट्रैफिक सिग्नल हुआ शुरू

भोपाल। शहर के उपनगर कोलार के नयापुरा तिराहे पर रोजाना पीक आवर समय सुबह 10 से दोपहर 12 और शाम पांच से सात बजे तक आना-जाना करने वाली 50 हजार आबादी को राहत मिल गई है। दरअसल चौराहे पर लगा ट्रैफिक सिग्नल दो महीने बाद चालू हो गया है। सिग्लन पर लाल, हरी, पीली बत्ती जलने लगी है। दो महीने से सिग्नल खराब पड़ा था। इससे ललिता नगर से सर्वधर्म, दानिशकुंज से आवाजाही करने वाले लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। आए दिन ट्रैफिक जाम लग रहा था। कोलार नयापुरा में सीवेज नेटवर्क योजना के तहत सड़क की खोदाई दौरान सिग्नल खराब हो गया था। ट्रैफिक पुलिस ने सिग्लन को निकाल कर रख दिया था। इससे रहवासियों ने नाराजगी जताई थी। तिराहे पर बार-बार लगने वाले ट्रैफिक जाम के कारण लोगों को दिक्कत हो रही थी। जल्दबाजी के कारण वाहन टकराने की घटनाएं हो रही थीं।

मेट्रो रेल का बना नया लोगो

भोपाल। मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कार्पोरेशन लिमिटेड के लिए नया LOGO बनाया गया है। इसमें स्पेक्ट्रम के प्राथमिक रंग यानी नीला, लाल और हरे रंग का समावेश किया गया है। नीला रंग जिम्मेदारी, लाल रंग ऊर्जा और हरा रंग सुरक्षा को दर्शाता है। मेट्रो लोगो में प्रदर्शित तीन अक्षर मेट्रो की लाइन ट्रैक को और विभिन्न डॉट्स मेट्रो स्टेशनों को दर्शाते हैं। लोगो का महत्वाकांक्षी मेगा-परियोजना का प्रयोजन, जन विकास एवं द्रुत गति परिवहन को आम-जन के लिए सुलभ कराने के लिए रचनात्मक डिजाइन तैयार किया गया है। यह रचनात्मक लोगो एक शानदार दृश्य अपील करता है, जो प्रकृति में वैश्विक है। यह MP METRO का न केवल राज्य बल्कि दुनिया को परिचय देने के लिए तैयार है।

MPMETRO

मेट्रो रेल स्टेशन के लिए निविदा

निर्माण के अगले चरण की ओर अग्रसर होते भोपाल एवं इंदौर मेट्रो रेल स्टेशन्स की निविदाएँ जारी की जा रही हैं। भोपाल शहर में सुभाष नगर के पास एवं इंदौर शहर में गांधीनगर के पास मेट्रो रेल डिपो के लिए डीडीसी की नियुक्ति की गई है। डीडीसी द्वारा डिपो निर्माण के लिए तकनीकी परीक्षण कर जल्द ही इंदौर एवं भोपाल की निविदाएँ आमंत्रित किये जाने की कार्यवाही की जा रही है। मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कार्पोरेशन लिमिटेड के अंतर्गत भोपाल एवं इंदौर शहर में मेट्रो रेल परियोजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। भोपाल में एम्स से करोंद चौराहा तथा भदभदा चौराहे से रत्नागिरी तिराहे तक दो अनुमोदित मेट्रो कॉरिडोर का लगभग 30 कि.मी. का निर्माण किया जा रहा है। इंदौर में अनुमोदित मेट्रो रिंग कॉरिडोर (बंगाली स्क्वायर-भंवरसाला-एयरपोर्ट-पलासिया-बंगाली स्क्वायर) का लगभग 31.5 कि.मी. का निर्माण कार्य किया जा रहा है। मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कार्पोरेशन लिमिटेड का पुनर्गठन किया गया है। भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन के संयुक्त उद्यम की बैठक विगत दिसम्बर माह में हो चुकी है। संयुक्त उद्यम में भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन के 5-5 नामांकित संचालक शामिल हैं।

संपादकीय

गरीबों का वोट कबाड़ने की कवायद

देश में आजादी के बाद से गरीबों को तमाम तरह की सुविधाएं दी जा रही है, इसके बावजूद गरीबी हटने का नाम नहीं ले रही है। आजादी के 7 दशकों बाद भी देश की एक तिहाई आबादी गरीबी रेखा से नीचे जिवन यापन कर रही है। गरीबों के इस बड़े वोट बैंक को साधने के लिए ही जब भी कहीं कोई चुनाव आता है तो सत्ताधारी पार्टी गरीबों की चिंता करने लगती है और उनके लिए कोई न कोई योजना आनन फानन में लागू की देती है। बंगाल विधानसभा चुनाव में गरीब मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए वहां की मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी ने गरीबों को पांच रूपए में भोजन उपलब्ध कराने की योजना लागू की है, पांच रूपए में चांवल दाल सब्जि और एक अंडा दिया जा रहा है। यह थाली 16 रूपए की पड़ती है जिसपर ममता सरकार 11 रूपए की सब्सिडी दे रही है और गरीबों को पांच रूपए में थाली दी जा रही है। ममता सरकार ने कोई नया काम नहीं किया है देश के कई राज्यों में चुनाव के दौरान गरीब मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए इस तरह का हथकंडा पहले भी आजमाया जा चुका है। कई राज्यों में यह योजना अभी भी आंशिक रूप से जारी है और कुछ राज्यों में बंद हो चुकी है। गरीबों के वोट कबाड़ने का यह नायाब नुस्खा माना जाता है। सरकार का इसमें कुछ नहीं जाता है, गरीबों को सस्ता खाना देने का भार मध्यमवर्गी कर दाता उठाता है। जिसके द्वारा दिए गए टैक्स से विकास का काम होने की जगह राजनीतिक पार्टियां उनके खून पसीने की गाढ़ी कमाई को इसी तरह उड़ाती है। गरीबों के हित में काम करना चाहिए यह हर सरकार की जिम्मेदारी होती है लेकिन उन्हे मुफ्तखोर बनाना समझदारी नहीं होती है। यदि गरीबों के कल्याण के लिए दिल से याजनाएं बनाई जाती और उसे ईमानदारी पूर्वक धरातल पर उतारा जाता तो आजादी के साथ दशकों बाद गरीबों की संख्या नगण्य रह जाती वे इस काबिल हो जाते कि उन्हे मुफ्त में यह सब्सिडी वाले खाने की जरूरत ही महसूस नहीं होती किन्तु राजनीतिक दलों ने गरीबों के नाम पर चलाई गई योजनाओं को भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ाकर रख दिया है। यही वजह है कि गरीबी का गोरख धंधा बदस्तूर जारी है और गरीबों को राजनीतिक दल चुनाव के दौरान इसी तरह का प्रलोभन परोसते है और उसके बदले में थोक के भाव में वोट कबाड़ कर सत्ता का सुख भोगते है। बेहतर होगा कि गरीबों के हित में ठोस योजनाएं बनाई जाएं और उनका ईमानदारी पूर्वक क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए ताकि हमारे देश को गरीबी के अभिशाप से मुक्ति मिल सके।

विचार

न्याय तंत्र की मुसीबतें

पिछले दिनों आई इंडियन जस्टिस रिपोर्ट हमें मौजूदा विधि व्यवस्था से जुड़े उन बुनियादी मुद्दों से रूबरू कराती है जो आम तौर पर अनदेखे ही रह जाते हैं। देश की न्याय प्रक्रिया की गड़बड़ियों और इसके नतीजों के उदाहरण हमें मिलते रहते हैं। कभी अदालतों के असंगत फैसले के रूप में तो कभी सही फैसला आने में हुए अत्यधिक विलंब के रूप में, कभी पुलिस ज्यादतियों के रूप में तो कभी जेल प्रशासन की लापरवाही के रूप में। इन सबके मूल कारणों पर बातचीत कम होती है। देश में अपराध नियंत्रण और दंड विधान से जुड़ी पूरी मशीनरी किस हाल में है और किस तरह की चुनौतियों का सामना कर रही है, इस पर नियमित सार्वजनिक चर्चा संभवतः इसलिए नहीं हो पाती क्योंकि हमारा ध्यान आम तौर पर तात्कालिक महत्व की चौंकाने वाली घटनाएं ही खींचती हैं, और यह सवाल किसी तात्कालिक घटना से नहीं जुड़ा है। इसी कमी को पूरा करते हुए इंडियन जस्टिस रिपोर्ट 2020 बताती है कि कैसे हमारा यह तंत्र अपने ही बोझ से चरमरा रहा है। न्यायपालिका में लंबित मामलों की विशाल संख्या की तो बात ही छोड़िए, रिपोर्ट के मुताबिक जनरल केस क्लियरेंस रेट भी ऊपरी और निचली अदालतों में गिरता जा रहा है। और यह स्वाभाविक भी है। सुनवाई तो तब होगी जजों की संख्या पर्याप्त हो। लॉ कमिशन ने 1987 में ही अपनी 120वीं रिपोर्ट में सिफारिश की थी कि देश में 20,000 की आबादी पर एक जज का अनुपात होना चाहिए। हकीकत यह है कि आज भी 50,000 की आबादी पर एक जज का अनुपात बैठता है। राष्ट्रीय औसत के मुताबिक हाईकोर्टों में जजों के 38 फीसदी पद खाली पड़े हैं। पुलिस की स्थिति भी कुछ बेहतर नहीं है। एक लाख की आबादी पर 156 पुलिसकर्मी का अनुपात बैठता है। जनवरी 2020 की हालत रिपोर्ट में यह बताई गई कि राष्ट्रीय स्तर पर हर तीन जरूरी पुलिसकर्मियों में से एक का पद खाली था। यह तो हुई संख्या की बात। गुणवत्ता पर चर्चा करें तो उसकी एक अहम कसौटी डायवर्सिटी को माना जाता है। इस लिहाज से महिलाओं के प्रतिनिधित्व का मामला बहुत ही चिंताजनक है। पुलिस में महिलाओं की मौजूदगी का राष्ट्रीय औसत 10 फीसदी है। सिर्फ आठ राज्य ऐसे हैं जहां पुलिस बलों में महिलाओं का अनुपात इससे बेहतर है। अदालतों में भी हर स्तर पर महिलाओं की संख्या बढ़ाए जाने की जरूरत है। बिहार, उत्तराखंड, मणिपुर, मेघालय, त्रिपुरा जैसे राज्यों के हाईकोर्टों में महिलाओं का औसत शून्य है। जाहिर है, ऐसी स्थिति में पुलिस और अदालतों से महिलाओं के प्रति संवेदनशील होने की सीमित अपेक्षा ही की जा सकती है। काम के बढ़ते बोझ और काम निपटाने वाले हाथों की लगातार कमी के बीच न्याय तंत्र के लिए ज्यादा कुछ करने की गुंजाइश नहीं रह पाती। ऐसे में अगर जेलों में कैदियों की संख्या क्षमता से कहीं अधिक बनी हुई है और उनमें 70 फीसदी कैदी विचाराधीन हैं, जिनके बारे में यह भी पता नहीं है कि वे दोषी हैं या बेकसूर, तो आश्चर्य कैसा।

संसद का मान गिराती असंसदीय भाषा

डॉ. श्रीनाथ सहाय

भारतीय लोकतंत्र की सेहत का पैमाना अगर किसी को मापना हो तो वह राजनीति में इस्तेमाल होने वाली भाषा पर गौर करे। हमारी सेहत में थोड़ा सा भी उतार-चढ़ाव होता है तो हम फौरन डॉक्टर के पास पहुंच जाते हैं। लोकतंत्र बेचारा क्या करे, जब इसकी सेहत डाउन होती है तो इसके तीमारदार (राजनेता) इसपर और प्रहार करते हैं। चुनाव में एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप और असंसदीय भाषा का चलन बढ़ जाता है। 2019 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान कुछ एतिहासिक व अविस्मरणीय वाक्य देखने को मिले। सभी प्रत्याशियों ने जनता के बीच, प्रेस कांफ्रेंस व इंटरनेट के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा लोगों को संबोधित करने व अपनी बात को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुचने की भरपूर कोशिश की। इस बीच उन्होंने कई तरीके के दावपेच का ईस्तेमाल किया जिनमे भड़काऊ भाषण तो आम थे।

भाषा अभिव्यक्ति का सर्वाधिक विश्वसनीय माध्यम है। यही नहीं, यह हमारे समाज के निर्माण, विकास, अस्मिता, सामाजिक व सांस्कृतिक पहचान का भी महत्वपूर्ण साधन है। मनुष्य को सभ्य और पूर्ण बनाने के लिए शिक्षा जरूरी है और सभी प्रकार की शिक्षा का माध्यम भाषा ही है। किसी जमाने में संसद की भाषा को श्रेष्ठ और मर्यादित माना जाता था। अब 1990 के दशक के बाद यह धारणा लगातार खंडित हो रही है, क्योंकि हमारी विधायिका और कार्यपालिका की भाषा विकृत होती जा रही है। कमोबेश वह असंसदीय, अमर्यादित और अश्लील हो गई है। असंसदीय भाषा अक्सर माननीयों द्वारा प्रयोग में लाई जाती है। यह दीगर है कि विधायिका की कार्यवाही के रिकॉर्ड में इन शब्दों को दर्ज नहीं होने दिया जाता। लोकतंत्र सिर्फ संसद और विधानसभा तक ही सीमित नहीं है। यकीनन वे सदन गणतंत्र के गरिमामयी मंदिर हैं और लोकतंत्र को मूर्त रूप देते हैं। राजनीति में भाषा की एक मर्यादा होती है। इस कसौटी पर हमारी राजनीतिक पार्टियां और नेतृत्व कहां ठहरता है?

हमारे जन-प्रतिनिधि सदन में क्या बोलते-कहते हैं, क्या करते हैं और किसके पक्ष में मतदान करते हैं, उसे देश की किसी भी अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती। संविधान का अनुच्छेद 105 (2) उनकी प्रतिरक्षा करता है। लोकसभा के नियम 380 के तहत स्पीकर या पीठासीन अधिकारी को विशेषाधिकार प्राप्त होता है कि वह किन तथ्यों और शब्दों को कार्यवाही के अधिकृत रिकॉर्ड में दर्ज होने दे अथवा उन्हें खारिज कर दे। ऐसे ही अधिकार राज्यसभा में सभापति और उप सभापति तथा विधानसभा अध्यक्षों को भी हासिल हैं।

जहां तक मुझे जानकारी है सदन में रिश्वत, लानत, धोखा, ठग, कट्टरपंथी, चरमपंथी, भगोड़ा, डॉर्लिंग, अनपढ़ या अंगूठा-छाप सरीखे शब्द बोलने पर निषेध है। परस्पर गाली देना, हाथापाई करना अथवा विधेयक फाड़ना भी निषिद्ध हैं, लेकिन संसद के भीतर ही ऐसी कई घटनाएं मैंने देखी हैं, जब इन असंसदीय शब्दों की मर्यादा भंग की गई। बेशक स्पीकर या पीठासीन अधिकारी ने ऐसे शब्दों को कार्यवाही के रिकॉर्ड में दर्ज नहीं होने दिया, लेकिन यह आधुनिकतम प्रौद्योगिकी का दौर है। सवाल यह है कि भाषायी मर्यादा भंग करने और मवालियों की भाषा के इस्तेमाल की नौबत ही क्यों आती

है? बहुत पुराने प्रसंगों को छोड़ भी दें, तो मौजूदा कालखंड में प्रधानमंत्री मोदी ऐसी शख्सियत हैं, जो सर्वाधिक नफरत और आक्रोश के बिंदु बने हैं। यह दीगर है कि देश ने उनके नेतृत्व को भरपूर जनादेश देकर प्रधानमंत्री बनाया है। कांग्रेस के बड़े नेताओं, सांसदों और पूर्व केंद्रीय मंत्रियों ने प्रधानमंत्री मोदी के लिए कातिल, हत्यारा, यमराज, राक्षस, सांप, बिच्छू, चायवाला, तेली,बंदर, मौत का सौदागर और जहर की खेती आदि न जाने कितने अपशब्दों का इस्तेमाल किया है। कुछ शब्द तो ऐसे हैं कि हमारी नैतिकता उन्हें लिखने को रोकती है। ये शब्द बोलने वाले नेता संवैधानिक पदों पर रह चुके हैं और आज भी अधिकतर सांसद हैं। प्रधानमंत्री के लिए 'फेंकू' विशेषण तो टीवी चैनलों की चर्चाओं में, कांग्रेस प्रवक्ताओं के मुख से, लगभग हररोज सुना जा सकता है। बदले में भाजपा प्रवक्ता और नेतागण कांग्रेस सांसद एवं पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को सार्वजनिक तौर पर, सरेआम 'पप्पू' और '50 साल का बालक' कहकर संबोधित करते हैं। आखिर यह किस लोकतंत्र की भाषा और अभिव्यक्ति है? और ऐसी अभद्र, अश्लील भाषा के प्रयोग करने के मायने क्या हैं?

संसद के बाहर भी माननीय भाषा की मर्यादा अक्सर भूल जाते हैं। बीते नवम्बर में टीएमसी नेता कल्याण बनर्जी ने कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चैधरी पर बीजेपी के एजेंट होने का आरोप लगाया। इस पर अधीर रंजन चैधरी ने कल्याण बनर्जी पर पलटवार करते हुए कल्याण बनर्जी के लिए ममता के 'पालतू कुत्ते' जैसे शब्द का इस्तेमाल कर दिया। कल्याण बनर्जी के आरोपों पर अधीर रंजन चैधरी ने उनके लिए जिन शब्दों का इस्तेमाल किया वह संसदीय भाषा के अनुरूप तो बिल्कुल भी नहीं कहे जा सकते। अधीर रंजन चैधरी 'अल्सेसियन कुत्ते' जैसे शब्द का भी इस्तेमाल कर दिया। अधीर रंजन चैधरी ने कहा कि ममता के प्रति वफादारी साबित करने के लिए कल्याण बनर्जी उनके 'पालतू कुत्ते' की तरह काम कर रहे हैं और ऐसे बयान दे रहे हैं।

सभी प्रत्याशियों ने जनता के बीच, प्रेस कांफ्रेंस व इंटरनेट के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा लोगों को संबोधित करने व अपनी बात को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुचने की भरपूर कोशिश की। इस बीच उन्होंने कई तरीके के दावपेच का ईस्तेमाल किया जिनमे भड़काऊ भाषण तो आम थे। भाषण देना राजनीति की प्राथमिकता है यह अत्यंत आवश्यक है परन्तु भाषा की अपनी एक मर्यादा होती है। लोकसभा चुनाव प्रचारों में राजनीतिक विरोधियों और दूसरी विचारधारा के लोगों के खिलाफ गुस्सा और उनसे अलग मत जाहिर करने के लिए भाषाई अनुदारवाद का बेरोक-टोक इस्तेमाल किया गया। कई दिग्गज नेताओं को भाषा की मर्यादा को खोते देखा गया। ये दल या समाज इस पर चिंता जाहिर नहीं करना चाहता है। यह एक काफी परेशान करने वाली बात है व अत्यंत गंभीर विषय है। संसदीय कार्यवाही का सीधा प्रसारण लोकसभा और राज्यसभा टीवी चैनलों के जरिए किया जाता है। नतीजतन ऐसे घोर आपत्तिजनक शब्द आम आदमी तक पहुंच ही जाते हैं। क्या ऐसा लोकतंत्र कभी महान माना जा सकता है? मौजूदा दौर में किसान आंदोलन 81 दिनों से जारी है। सिंघु बॉर्डर पर कुछ महिलाओं के चित्र सार्वजनिक हुए, जिनमें 'मर जा मोदी' का प्रलाप किया जा रहा था और औरतें स्यापा पीट रही थीं। क्या आंदोलन के लोकतांत्रिक दायरे में ऐसे चरित्र भी आते हैं? आखिर हमारे नेता भाषा की मर्यादा को क्यों लांघ जाते हैं? इस सवाल के आते ही दिमाग में विचारों की झड़ी लग जाती है। अपने वैचारिक क्षमता के अनुसार सब सोचने लग जाते हैं। सच पूछो तो राजनीति में भाषा की कोई मर्यादा ही नहीं तय होनी चाहिए। ये तो दीये को रोशनी दिखाने की बात हो गई न। बेचारे नेताओं को कितना कष्ट होता है चुनावी सभाओं में। उनको मर्यादा की कितनी समझ है तुम क्या जानो। अगर शीर्ष नेताओं के बोल बिगड़े होंगे, तो उन्हें अपना नायक मानने वाले और उनके पीछे चलने वाले कार्यकर्ताओं का राजनीतिक प्रशिक्षण कैसा होगा? कहने को भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। पर यह तथ्य भारत की विशाल आबादी की तरफ संकेत करता है, या हमारी लोकतांत्रिक चेतना के विकास की तरफ? चूंकि लोकतंत्र में पक्ष-विपक्ष के लिए मिलकर कार्य करने की अनिवार्यता होती है। ऐसे में अमर्यादित भाषा से अंतत लोकतंत्र को ही नुकसान पहुंचता है। ऐसा होने पर लोकतंत्र के क्षीण होने का खतरा हमेशा सामने रहेगा।

क्या अब मिलेगी अपनी बात छिपाने की आजादी?

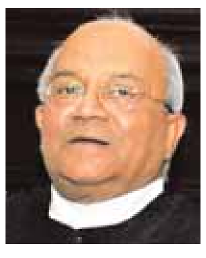

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

हर व्हाटसाप संदेश के ऊपर यह लिखा हुआ आता है कि आपके संदेश या वार्ता को कोई न पढ़ सकता है, न सुन सकता है लेकिन इस साल उसने घोषणा कर दी थी कि 8 फरवरी 2021 से उसके हर संदेश या बातचीत को फेसबुक देख सकेगी। यह खबर निकलते ही इतना हंगामा मचा की व्हाट्साप ने इस तारीख को आगे खिसकाकर 15 मई कर दिया। लोग इतने डर गए कि लाखों लोगों ने व्हाट्साप की जगह तत्काल 'सिग्नल, 'टेलीग्राम' और 'बोटिम' जैसे नए माध्यमों को पकड़ लिया। देश में आजकल जैसा माहौल है, ज्यादातर मंत्रिगण, नेता, पत्रकार और बड़े व्यापारी लोग व्हाट्साप के इस्तेमाल को ही सुरक्षित समझते हैं।

पिछले तीन-चार सौ साल से दुनिया में एक बड़ी लड़ाई चल रही है। उसका नाम है, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता। ब्रिटेन, यूरोप, अमेरिका और भारत-जैसे कई देशों में तो यह नागरिकों को उपलब्ध हो गई है लेकिन आज भी चीन, रूस और कुछ अफ्रीकी और अरब देशों में इसके लिए लड़ाइयाँ जारी हैं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता क्या है ? अपने दिल की बात बताने की स्वतंत्रता ! लेकिन आजकल एक नई लड़ाई सारी दुनिया में छिड़ गई है। वह है, अपनी बात बताने की नहीं, छिपाने की स्वतंत्रता। छिपाने का अर्थ क्या है ? यही कि आपने किसी से फोन पर या ईमेल पर कोई बात की तो उसे कोई तीसरा व्यक्ति न जान पाए। वह तभी जाने जबकि आप उसे अनुमति दें। आजकल मोबाइल फोन और इंटरनेट की तकनीकी का कमाल ऐसा हो गया है कि करोड़ों लोग हर रोज़ अरबों-खरबों संदेशों का लेन-देन करते रहते हैं लेकिन उनमें से ज्यादातर को यह पता नहीं है कि उनके एक-एक शब्द पर कुछ खास लोगों की नजर रहती है। कौन हैं, ये खास लोग? ये हैं, व्हाट्साप और फेसबुक के अधिकारी लोग! उन्होंने ऐसी तरकीबें निकाल रखी हैं कि आपकी कितनी भी गोपनीय बात हो, वे उसे सुन और पढ़ सकते हैं। ऐसा करने के पीछे उनका स्वार्थ है। वे आप पर जासूसी कर सकते हैं, आपको आर्थिक नुकसान पहुंचा सकते हैं, वे आपके फैसलों को बदलवा सकते हैं, आपके पारस्परिक संबंधों को बिगाड़ सकते हैं। यही शक्ति वे सरकार के मंत्रियों, सांसदों और अधिकारियों के विरूद्ध भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

इसीलिए यह मांग उठ रही है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की तरह निजता याने गोपनीयता की स्वतंत्रता की भी कानूनी गारंटी हो। हमारे संविधान में निजता की कोई गारंटी नहीं है। 2017 में हमारे सर्वोच्च न्यायालय में इस मुद्दे पर जमकर बहस हुई थी। अब 2021 में भी सर्वोच्च न्यायालय में यही

मुद्दा जोरों से उठा है। लेकिन दोनों में बड़ा फर्क है। जुलाई 2017 में कुछ याचिकाकर्त्ताओं ने मांग की थी कि निजता को भी अभिव्यक्ति की तरह संविधान में मूल अधिकार की मान्यता दी जाए लेकिन तब सरकारी वकील ने तर्क दिया कि यदि निजता को मूल अधिकार बना दिया गया तो उसकी आड़ में वेश्यावृत्ति, तस्करी, विदेशी जासूसी, ठगी, आपराधिक, राष्ट्रद्रोही और आतंकी गतिविधियां बेखटके चलाई जा सकती हैं। उसने सर्वोच्च न्यायालय के 1954 और 1956 के दो फैसलों का जिक्र भी किया था, जिनमें निजता के अधिकार को मान्य नहीं किया गया था। लेकिन अब सरकारी वकील निजता के अधिकार के लिए सर्वोच्च न्यायालय में पूरा जोर लगाए हुए हैं। क्यों ? क्योंकि व्हाटसाप और फेसबुक जैसी कंपनियों के बारे में शिकायतें आ रही हैं कि वे निजी संदेशों की जासूसी करके बेशुमार फायदे उठा रही हैं। व्हाटसाप के जरिए भेजे जानेवाले संदेशों से इतना फायदा उठाया जाता है कि व्हाट्साप को फेसबुक ने 19 अरब डॉलर जैसी मोटी रकम देकर खरीद लिया है। उसमें दर्जनों संशोधन आए हैं और संसद के इसी सत्र में वह शायद कानून भी बन सकता है। यह कानून ऐसा बन रहा है, जिसमें व्यक्तिगत निजता की तो पूरी गारंटी होगी लेकिन राष्ट्रविरोधी और आपराधिक गतिविधियों को पकड़ने की छूट होगी। आजकल सर्वोच्च न्यायालय में सरकारी वकील फेसबुक के वकीलों से जमकर बहस कर रहे हैं और पूछ रहे हैं कि यूरोप में आप जिस नीति को पिछले दो साल से चला रहे हैं, वह आप भारत में क्यों नहीं चलाते ? यूरोपीय संघ ने लंबे विचार विमर्श के बाद निजता-भंग पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं और उसका उल्लंघन करनेवाली कंपनियों पर भारी जुर्माना ठोक दिया है। व्यक्ति-विशेष की अनुमति के बिना उसके संदेश को किसी भी हालत में कोई नहीं पढ़ सकता। 16 साल की उम्र के बाद ही बच्चे व्हाट्साप का इस्तेमाल कर सकते हैं।

सर्वोच्च न्यायालय ने भी निजता के अधिकार की रक्षा में गहरी रूचि दिखाई है। चीफ जस्टिस एस ए बोबडे की अध्यक्षतावाली पीठ ने फेसबुक के लोगों को कहा है कि ''आप होंगे, दो-तीन ट्रिलियन की कंपनी, लेकिन लोगों की निजता उससे ज्यादा कीमती है। हर हाल में उसकी रक्षा हमारा फर्ज है।'' न्यायपीठ ने व्हाट्साप से कहा है कि वह चार हफ्तों में अपनी प्रतिक्रिया दे। फेसबुक के वकीलों ने कहा है कि यदि भारतीय संसद यूरोप-जैसा कानून बना देगी तो हम उसका भी पालन करेंगे।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

कुछ न होगा तू जो

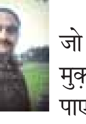

कुछ न होगा तू जो भी चाहेगा । ग़म मुक़द्दर है ग़म ही पाएगा ।। लाख चाहेगा तू ख़ुशी लेकिन, ग़म ही ओढ़ेगा औ बिछाएगा । ज़िन्दगी दर्द दे रही होगी, कौन वरना कज़ा को चाहेगा । ग़म दिए है तुझे ख़ुदा ने ही, ग़म कि चादर वही हटाएगा । ख़ुद की ख़ुद ही मदद तू कर लेना, छोड़ किसको बुला के लाएगा।

- मित्र ग़ज़ियाबादी

क्या लिखूँ और कैसे

क्या लिखूँ और कैसे लिख दूँ वो भाव कहाँ से लाऊँ रच दूँ माँ तुझ पे कविता वो शब्दार्थ कहाँ से लाऊं भटक रही जग की तृष्णा में मोह माया का भंवर सा फैला अंतर्मन को निश्छल कर लूँ वो परमार्थ.. कहाँ से लाऊँ निज स्वार्थ भरा औ द्वेष भरा है अंतर्मन मेरा काला सा हो अर्पित तेरे चरणों में वो मन निःस्वार्थ कहाँ से लाऊ।

- सत्या शर्मा कीर्ति

ख़ास पाती | उज़ड़े दयार से अब सदा आती

उज़ड़े दयार से अब सदा आती नहीं, बिखरे लम्हों की याद क्यों जाती नहीं, गर्म लू के थपेड़ों के बाद छोटी रात सी, दौरां-ए-जद्दोज़हद इक ख़ुशी सौगात सी, आमद यूँ तेरी यकबयक मेरी ज़िंदगी में, ज्यों ख़ुदबाख़ुद होती हो दिल की बात सी, न फ़र्ज़ न ही कर्ज़ धा कोई ताक पे, हो लौटा परिंदा बाद परवाज़ शाख़ पे, दिन ढ़ले सुस्ता रहा है नशेमन में अभी, बेवज़ह लादे वो बोझ अना का नाक पे, दिन कटा जलने में, रात गयी संभलने में, कितने ही तारे लगे इक आसमाँ बनने में, मिस्मार होते ख़्वाब कितने खुली पलक, मौसमे-उम्मीद कई, इक सावन बरसने में, उज़ड़े दयार से अब सदा आती नहीं, बिखरे लम्हों की याद क्यों जाती नहीं। **- विकास शर्मा दक्ष**

ये मेरा देश चलते फिरते पत्थरों का

ये मेरा देश चलते फिरते पत्थरों का नहीं जानता कि इसे कहाँ टूटना है, कहाँ बुलंद होना हैऔर कहाँ बरसना है ये दूरबीनवाले मदारी दूरबीन नहीं, दिमाग घुमाते हैं अपने मतलब की चीज पास में और हमारी चीज दूर बताते हैं नीचता के प्रधानाचार्य ऐसे कुकृत्य को शान से चाणक्य नीति बताते हैं अपने आचरण से अक्सर लज्जा को भी लजाते हैं। **- केदारनाथ शब्द मसीहा**

खूबसूरत है शाम आज चलो

खूबसूरत है शाम आज चलो एक ग़ज़ल हो जाये हसरतें रखें आज मगर हम तुम दोनों कल हो जायें खण्डर वीरानों में ही बातें होंगी सुकून से फिर चंद लम्हों के वास्ते भला क्यों महल हो जायें हो बंदिशें, खुद के ही तरफ से जमाने के ताकि ,न दखल हो जाये भीड़ देखी मयखाने में जब से नये दीवानों की खींचे अपने कदम ये सोच कहीं असफल मत हो जाये। **- संत आर थवाईत**

नव राग श्रृंगार धरे हौले से

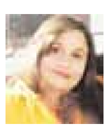

नव राग श्रृंगार धरे हौले से अधर मुस्कान मंद। पीत पर्ण नवल कण भरकर सोपानों में छंद। मुस्कान भरता प्रकृति के पतझड़ में फिर से। लेकर चला आता मधुमास कितने ही अनुबंध।

- आकांक्षा द्विवेदी

धरा के हरियर आँचल पर छिटके केसरी

धरा के हरियर आँचल पर छिटके केसरी पीले फूल मीठी मीठी ठंड में खेतों ने ओढ़ लिया सुनहरा दुकूल महुए ने इठला के भर दिये नन्हें नन्हें पीले मधु कलश भीनी गंध से बौरायी पुरवाई लहरा के हँसा गुलमोहर झूमकर नाचा अमलतास आम्र मँजरी की महक लाई ऋतु संदेश भ्रमरों के गान ने बताया आ गया बसंत। **- सरिता त्रिवेदी**

दरवाजे में किसी को खड़ा देख

दरवाजे में किसी को खड़ा देख मैन पूछा आब कौन है यहाँ क्यो खड़े है वो बोला थोड़ा शरमाया सकुचाया धीरे से बोला मैं ऋतुराज बसंत हूँ देख तेरे आँगन के बसंत को ऋतु मैं तो शर्म से यही ठिठक गया हूँ।

- ऋतु दुबे

जो लिखी गई, वो प्रेम कहानियां

जो लिखी गई, वो प्रेम कहानियां थी, प्रेम कभी लिखा न जा सका। जिसने प्रेम किया, उसकी लेखिनी न चली। जिसने प्रेम खोया, वो अवसाद में रहे। जिसने प्रेम जिया, वो प्रेम के मद में रहा। प्रेम लिखता भी तो कौन?

- शोभा किरन

QUIZ TIME

1) छत्तीसगढ़ शासकीय विद्यालय फीस विनियम अधिनियम 2020 के अंतर्गत राज्य स्तरीय फीस विनियम समिति के अध्यक्ष कौन है?
2) 'शिक्षा के गोठ' मासिक न्यूज लेटर का शुभारंभ किया गया-
3) 'गोधन न्याय योजना' की समीक्षा हेतु गठित समिति के अध्यक्ष कौन है?
4) 'मोर जमीन मोर मकान' योजना में अधिकतम कितनी राशि वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है?
5) माँ दंतेश्वरी मक्का प्रसंस्करण एवं विपणन स्थापित किया गया है?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) छत्तीसगढ़ सरकार के स्कूल शिक्षा मंत्री (2) स्कूल शिक्षा विभाग के द्वारा (3) श्री रविन्द्र चौबे (4) 2.5 लाख (5) कोंडागांव

आज का इतिहास

नई दिल्ली । 1614 : जहांगीर ने मेवाड़ पर कब्जा किया। 1836 : महान संत एवं विचारक रामकृष्ण परमहंस का जन्म। 1884 - चार्ल्स गोल्डेन के नेतृत्व में ब्रिटिश फ़ौजें सूडान पहुंची। 1900 - दक्षिण अफ्रीकी युद्ध में पाई क्रोन्स ने ब्रिटिश फ़ौजों के सामने हथियार डाल दिए। 1905 - शामजी कृष्णवर्मा ने इंडिया होमरूल सोसायटी की स्थापना लंदन में की। 1911 : विमान से पहली बार डाक पहुँचाने का काम भारत में हुआ। एयर मेल की पहली आधिकारिक उड़ान इलाहाबाद में हुई। 1915 - प्रथम विश्वयुद्ध में जर्मनी ने इंग्लैंड की नाकेबन्दी की। 1925 : हिन्दी की कथाकार एवं निबन्ध लेखिका कृष्णा सोबती का जन्म। 1930 : सौरमंडल के नौवे ग्रह रहे प्लूटो की खोज क्लाइड टॉमबामग ने किया। 1943 - नाजी सेना ने व्हाइट रोज आन्दोलन के सदस्यों को गिरफ़्तार किया। 1945 - द्वितीय विश्वयुद्ध में इवा जिमा के लिए लड़ाई शुरू हुई। 1946 : बम्बई (अब मुंबई) में रॉयल इंडियन नेवी (नौसेना) का विद्रोह हुआ। 1952 : यूनान और तुर्की उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन में शामिल हुए। 1954 - पहले चर्च आफ़ साइंटोलॉजी की स्थापना कैलिफ़ोर्निया में की गई। 1965 : गाम्बिया देश को ब्रिटेन से स्वाधीनता मिली और आज के दिन को इस देश का राष्ट्रीय दिवस घोषित किया गया। 1970 - फ़िलिपीन्स में युवकों ने अमेरिकी सैन्य अड्डों के विरोध में अमेरिकी दूतावास पर धावा बोला। 1971 : भारत ने अरवी सैटेलाइट स्टेशन के जरिये ब्रिटेन के साथ पहला उपग्रह सम्पर्क कायम किया।

भूख हड़ताल पर बैठे छात्रों का अनशन हुआ समाप्त

कलेक्टर संजय कुमार मिश्र द्वारा छात्रों को जूस पिलाया

छात्रावास खोले जाने का आश्वासन देकर अनिश्चितकालीन हड़ताल को किया गया खत्म

पन्ना नव प्रदेश

जिले के कलेक्ट्रेट भवन की गली में छात्रावास के छात्र-छात्राओं द्वारा भूख हड़ताल में बैठे छात्रों की उनकी सभी मांगों को पूरा करते हुए पन्ना कलेक्टर ने छात्रों को जूस पिलाकर हड़ताल को समाप्त करवाया और छात्रों को शासन के निर्देशों को पालन करते हुए छात्रावास खोलने के लिए प्रपत्र जारी ! जनजातीय कार्य विभाग अनुसूचित जाति कल्याण विभाग अंतर्गत संचालित स्कूलों में छात्रावास आश्रम को खोले जाने के संबंध में पत्र जारी किया गया जिसमें संपूर्ण हुई बैठक में निर्देशों के क्रम में कक्षा दसवीं कक्षा बारहवीं बोर्ड महाविद्यालय स्तर की आवासीय संस्था को शैक्षणिक सत्र 2020- 21 में शेष समय के लिए दिनांक 22 फरवरी 2021 से प्रारंभ करने की अनुमति प्रदान की गई है और विद्यार्थियों कर्मचारियों को कोविड-19 से बचाव हेतु मध्यप्रदेश शासन में भारत सरकार द्वारा जारी की गई गाइडलाइन का पालन कराया जाना सुनिश्चित करें पर ,

गौरतलब है कि कोविड-19 के दिशा निर्देशों के चलते सभी संस्थानों को बंद कर दिया गया था लेकिन आज कोविड-19 के खत्म होते एवं कोविड-19 जैसी गंभीर बीमारी को देखते हुए लगभग पूरे देश एवं राज्य में सभी संस्थानों को पुनः उसी तरह संचालित किया जा रहा है एवं सभी संस्थानों को खोलने की अनुमति दे दी गई है लेकिन सरकार ने आदिवासी छात्र छात्राओं के लिए छात्रावास को खोलने की अभी तक अनुमति नहीं दी है जिससे कि आदिवासी एवं दूरगामी क्षेत्रों से आने वाले छात्र-छात्राओं को आर्थिक एवं आने जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है

आज अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल में प्रशासन ने सहयोग बनकर एवं सरकार के नियमो को ताक में रखते हुए जिला प्रशासन ने शासन के सहयोग से विद्यार्थियों की मांगों को पूरा करते हुए 10वीं और 12वीं के छात्रावास खोलने के लिए आदेश जारी कर दिए गए वहीं विद्यार्थियों की सभी मांगों को जिला प्रशासन द्वारा मान लिया गया है

संजय कुमार मिश्र (कलेक्टर पन्ना) का कहना है कि विद्यार्थियों के सभी मांगों का समाधान हमारे द्वारा कर दिया गया है 10वीं और 12वीं के छात्रावासों को खोल दिया गया है एवं जो स्टेशनरी की समस्या थी उसको भी पूरा कर दिया गया जिससे कि विद्यार्थी अपनी पढ़ाई पूरी कर सकें और किसी प्रकार की समस्या ना हो

नाबालिग के साथ दुराचार करने वाले अभियुक्त का जमानत आवेदन

पन्ना, नव प्रदेश

न्यायालय द्वारा सुनवाई करते हुये प्रकरण में आरोपी रमेश सोनी की जमानत निरस्त की। (पीडिता के पिता)ने थाना-अजयगढ में उपस्थित होकर इस आशय की रिपोर्ट की कि 20.01.2021 की रात 10 बजे फरियादी), पत्नी व पीडिता (फरियादी की पुत्री) आग ताप रहे थे फरियादी का पुत्र बगल में आरोपी के यहाॅ टीवी देखने गया था तो फरियादी, पीडिता से बोला की लडके को बुला लाओ, तब पीडिता बुलाने के लिये रमेश सोनी के यहां गई, फरियादी का लडका पीडिता के आने के पहले घर आ चुका था फिर बाद मे पीडिता रोती हुई घर वापिस आई, फरियादी ने पूछा क्यो रो रही हो तो पीडिता ने कोई उत्तर नहीं दिया, दूसरे दिन 21.01.2021 को रात करीब 08 बजे बच्ची के रोने पर फरियादी ने रोने का कारण पूछा तो पीडिता ने बताया कि, उस दिन भईया को बुलाने गई थी तो रमेश उसे घर के अंदर मिला, रमेश हाथ पकडकर कमरे में जबरजस्ती ले गया और दुराचार किया। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना-अजयगढ में अपराध क्रमांक-27/2021,धारा-376(3),506 भा.द.वि. एवं 3/4 पाक्सों एक्ट में अपराध पंजीबद्ध किया गया। पीडिता ने धारा 164 द.प्र.सं के कथनों में उक्त घटना की पुष्टि की, विवेचना उपरांत अभियोग पत्र माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।आरोपी-रमेश सोनी,जिला-पन्ना के द्वारा जमानत हेतु आवेदन पत्र माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया,जिसका अभियोजन की ओर से श्री दिनेश खरे,सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी, पन्ना द्वारा विरोध किया गया। माननीय न्यायालय द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश पन्ना(पाक्सों) द्वारा अभियोजन के प्रस्तुत तर्को से सहमत होते हुये आरोपी की जमानत निरस्त कर दिया।

लोकपाल सागर का पानी किसानों को देने मांग

पन्ना, नवप्रदेश

पैदल मार्च में किसानों की स्थानीय समस्याओं का ध्यान भी आकृष्ट कराया गया। इस दौरान अनीस खान ने स्थानीय समस्याओं को लेकर ज्ञापन कलेक्टर पन्ना के नाम तहसीलदार को सौपा गया।

ज्ञापन के माध्यम से बताया कि क्षेत्र के किसानों को सिंचाई का पानी न मिलने से उनकी फसल की पैदावार नही हो पा रही है। जिस कारण लोकपाल सागर का पानी सिचाई के लिए किसानों को तत्काल दिया जाये। इसके अलावा रेल्वे लाईन बिछाने में मिट्टी की आवश्कता हेतु निरपत सागर, लोकपाल सागर, सुनहरा तालाब, कटरा बांध की खुदाई की स्वीकृति रेल्वे को दी जाये ताकि मिट्टी निकालने से बांध व तालाब में गहरीकरण को सकें। किलकिला फीडर के कार्यो में गति लाई जाये। ग्राम बिल्हा हरदुआ मार्ग का निर्माण कराया जाये। लोकपाल सागर की नहरे जो जर्जर हालत में है उसका सुधार कार्य कराया जाये। सारंग मंदिर व बृहस्पति कुण्ड में गौशाला का निर्माण कार्य कराया जाये। इसके अलावा किसानों व आम जन के अनेक मुद्दों के संबंध में ज्ञापन देकर मांग की गई कि एक माह के अंदर इस समस्त बिन्दुओं का निराकरण किया जाये अन्यथ ब्लाक कांग्रेस कमेटी कलेक्ट्रेट का घेराव कर जंगी प्रदर्शन के लिए बाध्य होगी।

शेर सिंह मीणा का तबादला

पन्ना. एसडीएम शेर सिंह मीणा का तबादला कलेक्ट्रेट परिसर में पन्ना कलेक्टर ने श्रीफल एवं गुलदस्ता के साथ की विदाई। पन्ना एसडीएम ने अपने कार्यकाल में अपने कार्य को बखूबी ईमानदारी एवं दृढ़ निश्चय के साथ निभाया है स्ट्रिक्ट तौर पर जाने जाते रहे हैं शेर सिंह मीणा पन्ना एसडीएम जिला प्रशासन ने फूल गुलदस्ते बैठकर पन्ना एसडीएम को भावभीनी विदाई दी गई है।

कृषि कानून किसानों के मुंह से छिनेगा निवाला-राजा पटैरिया

किसानों के स्थानीय समस्याओं को लेकर सौपा ज्ञापन

पन्ना, नवप्रदेश

केन्द्र सरकार द्वारा लागू किये गये किसान कानून बिल के विरोध में ब्लाक कांग्रेस कमेटी पन्ना के अध्यक्ष अनीस खान के नेतृत्व में पद यात्रा निकालकर कृषि कानून बिल का विरोध किया गया। पूर्व नियोजित कार्यक्रम के अनुसार समस्त कांग्रेसी पदाधिकारी व कार्यकर्ता सुनहरा मोड पर एकत्रित हुए।

प्रदर्शन व पैदल मार्च में पूर्व मंत्री मध्यप्रदेश शासन राजा पटैरिया, पन्ना विधानसभा के प्रत्याशी शिवजीत सिंह भईया राजा, उपाध्यक्ष मनीष मिश्रा, पूर्व जनभागीदारी अध्यक्ष श्रीमती आस्था दीपक तिवारी, पूर्व युवक कांग्रेस अध्यक्ष अक्षय तिवारी, रेहान मोहम्मद, कदीर खान सहित कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। पैदल मार्च सुनहरा मोड से प्रारंभ हुआ, जो राजापुर, सुनहरा, कटरा, तिलगवां पहुंचा। जहां पर सभा का आयोजन किया गया। सभा को सम्बोधित करते हुए विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम कहा कि भारत के करोडो अन्नदाता अपने खेतों व उनके जीवन और आजिविका तथा उनके वर्तमान भविष्य को बचाने के लिए विगत 88 दिनों से संघर्ष कर रहे है केन्द्र की भाजपा सरकार ने देश की राजधानी और देश भर की सीमाओं पर अनिनिश्चत कालीन धरने पर बैठने के लिए किसानों को मजबूर कर दिया है। किसानों के लिए तीनों काले कानून वापिस लेने अन्नदाता किसानों की लडाई कांग्रेस पार्टी संसद से लेकर सडक तक हमेशा से लडी है और आगे भी जारी रखेगी। इस दौरान पूर्व मंत्री राजा पटैरिया ने कहा कि तीनों काले कानूनों को वापिस लेने के लिए संघर्षरत अन्नदाता किसानों के आंदोलन में लगभग 155 किसानों ने अपनी जान गवां दी है और केन्द्र की भाजपा सरकार ने इन काले तीनों कानूनों को वापिस न लेने की ठान ली है। उन्होने कहा कि केन्द्र सरकार के कृषि कानूनों के माध्यम से किसानों के मुंह से निवाला छीन रही है। केन्द्र सरकार करीब तीन माह से तानाशाह रवैया अपनाये हुए है, किसानों की मांगों पर ध्यान न देकर यह सिद्व कर दिया है कि केन्द्र की भाजपा सरकार किसान हितैषी नही है।

छतरपुर

जल संवर्धन के लिए ग्रामीणों को जोड़ें : कलेक्टर

वर्षा जल संचयन और भूजल पुर्नभरण

स्थल चयन के लिए प्रशिक्षण शुरू

छतरपुर, नव प्रदेश

जिला पंचायत छतरपुर के सभाकक्ष में भारत सरकार के जल संसाधन मंत्रालय तथा भोपाल के संयुक्त तत्वाधान में वर्षा जल संचयन और भूजल पुर्नभरण के स्थल चयन का दो दिवसीय प्रशिक्षण बुधवार को शुरू हुआ। इसमें कलेक्टर शीलेन्द्र, सीईओ जिला पंचायत अमर बहादुर सिंह सहित रीजनल डायरेक्टर सेंट्रल बोर्ड भोपाल के पी.के. जैन, डॉ. राकेश सिंह तथा परम शिवम सहित जनपद पंचायतों के सीईओ, सहायक यंत्री, उपयंत्री, जन अभियान परिषद के प्रतिनिधि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

दो चरणों में सम्पन्न प्रशिक्षण के प्रथम चरण में छतरपुर जिले में जलापूर्ति का बेहतर प्रबंध करने के उद्देश्य से अटल जल योजना के चिन्हित ब्लॉकों सहित अन्य सभी ब्लॉकों में वर्षा के जल को संरक्षित करने के लिए अमुक ग्रामों एवं पंचायतों के किन स्थानों पर किस प्रकार की रणनीति बनाई जाए के संबंध में स्लाइट प्रजेंटेशन के माध्यम से सारगर्भित प्रशिक्षण दिया गया। द्वितीय सत्र में कार्ययोजना तैयार करने के लिए किस प्रकार कार्ययोजना तैयार की जाए के संबंध में चिन्हित ग्रामों का भ्रमण किया गया।

प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह ने कहा कि जिले की ग्राउण्ड वाटर की स्थिति को बेहतर बनाने में संबंधित विभागीय अधिकारी आम लोगों का सहयोग लें, जिससे भावी पीढ़ी को जल के संबंध में कठिनाईयों का सामना नहीं करना पड़े। खेती को लाभप्रद बनाने और कृषकों की आय दोगुनी करने के प्रदेश सरकार के संकल्प समर्पण को यर्थात में सहयोग करें। यह तभी संभव है जब जिले में पर्याप्त जल उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि संबंधित विभागीय अधिकारी वास्तव में जिले के शुभ चिंतक हैं और दायित्व निर्वहन के प्रति सजग हैं तो जिले के जल स्तर में सुधारने के लिए ईमानदारी एवं जिम्मेदारी से भविष्य की चिंता करते हुए शासन से प्राप्त अधिकार एवं कर्त्तव्य के साथ उत्तर दायित्व को निभाएं।

उन्होंने कहा कि जल संवर्धन के लिए आयोजित प्रशिक्षण से रिजल्ट ओरिएंटेड वर्क करें। इस प्रशिक्षण एवं प्रोजेक्ट के मूल भावना को समझते हुए न सिर्फ सीखें अपितु ग्रामों लिए जाने वाले जल संवर्धन इकाईयों के निर्माण को मूर्तरूप देने पर अमल करें।

उन्होंने कहा कि सृष्टि में जिंदा रहने के लिए हवा के बाद पानी सबसे महत्वपूर्ण है। इसके अभाव में धरा का सामाजिक जीवन कठिन है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण को गंभीरता से सीखें और तदुपरांत जिले के क्षेत्रों में कहां किस तरह के जल स्त्रोत एवं स्ट्रक्चर की जरूरत है उसके निर्माण के लिए सार्थक विचार करें। जहां परकूलेशन टैंक, स्टाप डेम्प और रीचार्ज की जरूरत है उन स्थलों का चयन करें और सामुदायिक हितों के विपरीत किसी भी अन्य लोकेशन पर जल इकाईयां का प्रस्ताव नहीं दें।

इस अभियान में ग्रामीण लोगों से किस प्रकार की मदद ली जा सकती है के लिए उन्हें सक्रिय रूप से प्रेरित करें। उन्होंने बताया कि अन्य प्रांतों में खेतों के आसपास पोखरा बनाकर वर्षा के जल को संग्रहित किया जाकर उसका उपयोग खेती में सिंचाई के रूप में होता है। इसके लिए भी कृषकों में जनजाग्रति लाई जाए।

विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण में जोर देते हुए कहा गया कि रेन वाटर हार्वेस्टिंग के लिए जरूरी बुनियादी बात है स्थल का चयन। अमुक ग्राम में जल की समस्या क्यों है और उसका निदान क्या है यह तभी संभव है जब इस विषय पर संवेदनशीलता से काम करेंगे। जिले में वर्षा हो रही है तो भी और कम हुई तो भी जल की समस्या विद्यमान हैं। हमारे सामने चैलेंज यह है कि जनवरी से जून मासांत तक किस तरह से जल उपलब्ध हो सके इस पर ध्यान रखते हुए रणनीति बनाना होगी। जल संवर्धन के लिए छतरपुर जिले की बुनियादी संरचना कैसी और किस आकार एवं रूप में होनी चाहिए यह समझना भी जरूरी है।

मीडिऐशन मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक सम्पन्न

छतरपुर नवप्रदेश

जिला सत्र न्यायाधीश अरूण कुमार शर्मा छतरपुर की अध्यक्षता में बुधवार को मीडिऐशन कमेटी की बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें मध्यस्थता द्वारा राजीनामा के माध्यम से अत्यधिक प्रकरणों का निराकरण किए जाने पर चर्चा की गई। बैठक में प्रधान न्यायाधीश कपिल मेहता, विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव प्रशांत कुमार निगम, अधीवक्ता एवं सदस्य मीडिऐशन मॉनिटरिंग कमेटी राजेन्द्र शर्मा, जगदीश तिवारी और दिनेश कुमार तिवारी शासकीय अधिवक्ता भी उपस्थित थे।

29 क्विंटल तिली चोरी कर साढू भाई हुआ फरार

छतरपुर। सिविल लाइन थाना के अंतर्गत देरी रोड के रहने वाले लक्षमन साहू ने अपने मकान को किराए पर पवन साहू तनय हीरालाल साहू एवं श्रीमती दुर्गा साहू को देरी रोड स्थित मकान दिया था। उस मकान पर लक्षमन साहू की 29 क्विंटल तिली रखी हुई थी।

इससंबंध की शिकायत लक्षमन साहू ने पुलिस अधीक्षक छतरपुर, डीजीपी भोपाल एवं डीआईजी छतरपुर से की थी। उसमें उल्लेख किया गया है कि सिविल लाइन पुलिस ने चोरी की रिपोर्ट थाने में दर्ज नहीं की थी। आरोपी पवन साहू रिश्ते में सगा साढू है और वह वर्तमान में सागर जिले के किसी कस्बे में रह रहा है। रिपोर्ट न लिखे जाने से नाराज लक्षमन साहू ने सीएम हेल्पलाइन पर पुलिस की शिकायत की, सीएम हेल्पलाइन नंबर 13194272 था। घटना की तारीख 27 जनवरी 2021 बताई गई है। पवन साहू ने यह भी बताया कि जब पुलिस ने कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं की तो सीएम हेल्पलाइन की शिकायत समाप्त करने के लिए ओरछा थाना प्रभारी माधवी अग्निहोत्री मोबाइल छीनकर सीएम हेल्पलाइन खत्म कर दी थी लेकिन मुझे न्याय नहीं मिला तो मैंने पुनः सीएम हेल्प लाइन पर शिकायत कर उसे चालू कर दिया है।

पुलिस मुझ पर लगातार सीएम

उद्यानिकी के कच्चे उत्पाद की प्रोसेसिंग में मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य होगा

छतरपुर। प्रदेश के उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्यमंत्री भारत सिंह कुशवाह ने कहा कि उद्यानिकी के क्षेत्र में मध्यप्रदेश देश का ऐसा पहला राज्य होगा जहां कृषक अपने सारे कच्चे उत्पाद की प्रोसेसिंग करते हुए खुद बाजारों में बिक्री करते हुए लाभ भी ले सकेंगे। उद्यानिकी राज्यमंत्री ने छतरपुर जिले के खजुराहो में मंगलवार को 66वें कुशवाहा समाज के सम्मेलन को संबोधित करते हुए उक्त उद्बोधन दिए।

उन्होंने बताया कि किसानों की आय को दोगुनी करने के लिए प्रधानमंत्री द्वारा प्रोसेसिंग इकाईयों पर 35 प्रतिशत सब्सिडी दी जा रही है।

खुले में कचरा फेंकने वाले दुकानदारों के खिलाफ चालानी कार्रवाई

छतरपुर

नगर पालिका छतरपुर के दल द्वारा मंगलवार को मोटे के महावीर मंदिर क्षेत्र से सागर रोड तिराहा का निरीक्षण किया गया और खुले में कचरा फेंकने वाले दुकानदारों के खिलाफ अर्थदण्ड आरोपित किया गया। इस कार्यवाही में 30 दुकानदारों के खिलाफ चालानी कार्रवाई करते हुए 1 हजार 950 रुपए समन शुल्क वसूला गया। दल द्वारा दुकानदारों को परामर्श दिया गया कि यह शहर आपका अपना शहर है इसे सुंदर एवं प्रदूषण मुक्त बनाने में सहयोग करें और खुले में कचरा फेंकने से बचें और कचरे के लिए डस्टविन का उपयोग करें।

उल्लेखनीय है कि स्वच्छता सर्वेक्षण के तहत छतरपुर शहर को कचरा मुक्त करने के लिए प्रशासक एवं कलेक्टर शीलेंद्र सिंह और सीएमओ ओमपाल सिंह भदौरिया के निर्देशन में स्वच्छता संबंधित गतिविधियां सतत जारी हैं। इसी क्रम में नपा टीम ने सागर रोड पर सफाई निरीक्षण करते हुए स?क किनारे दुकानदारों के द्वारा खुले में कचरा फेंकने और डस्टविन का उपयोग नहीं करने पर उनके खिलाफ चालानी कार्रवाई की।

नगरीय निकाय, पंचायतों का निर्वाचन व्यवस्था की निविदा आमंत्रित- आगामी नगरीय निकाय एवं त्रि-स्तरीय पंचायतों के आम निर्वाचन के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय छतरपुर में लाईट, माइक, टेंट, टेबिल-कुर्सी तथा शामियाना की व्यवस्था के लिए 3 मार्च की दोपहर 12 बजे तक निविदा आमंत्रित की गई है। प्राप्त निविदा उसी दिन शाम 4 बजे जिला स्तरीय समिति द्वारा निविदाकारों के समक्ष खोली जाएगी। विस्तृत जानकारी जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

धरोहर राशि के रूप में

जिला न्यायाधीश ने किया जेल का निरीक्षण

छतरपुर। जिला सत्र एवं न्यायाधीश छतरपुर तथा अध्यक्ष विधिक सेवा प्राधिकरण अरूण कुमार शर्मा ने बुधवार को जिला जेल छतरपुर के किए गए निरीक्षण में आजीवन कारावास से दण्डनीय तथा 14 वर्ष की सजा पूर्ण कर चुके जेल बंदियों को जागरूक किए जाने के साथ-साथ यूटीआरसी के अंतर्गत दिए गए प्रावधानों के अनुपालन और कोविड-19 के तहत की जा रही व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की।इस अवसर पर विधिक साक्षरता शिविर भी आयोजित किया गया और बंदियों को उनके अधिकारों के साथ-साथ प्लीबारगेनिंग के संबंध में जानकारी प्रदाय की गई। इस अवसर पर विशेष न्यायाधीश एस.एस. परमार, प्रशांत कुमार निगम, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुधांशु सिन्हा, प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश विपिन सिंह भदौरिया, सीजेएम छतरपुर तथा बंदीगण भी उपस्थित रहे।

शिक्षक मनोज रायकर निलंबित

बालाघाट, नवप्रदेश। वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश की अवहेलना करने एवं सीनीयर बालक छात्रावास ठेमा का प्रभार अन्य शिक्षक को नहीं सौपने के कारण सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग सुधांशु वर्मा ने माध्यमिक शिक्षक मनोज रायकर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय कार्यालय प्राचार्य शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय परसवाड़ा निर्धारित किया गया है।

माध्यमिक शिक्षक मनोज रायकर के पास शासकीय सीनीयर बालक छात्रावास ठेमा का प्रभार था। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग सुधांशु वर्मा द्वारा 14 अक्टूबर 2020 के आदेश के अनुसार माध्यमिक शिक्षक मनोज रायकर को सीनीयर बालक छात्रावास ठेमा के अधीक्षक के प्रभार से मुक्त कर उसे शासकीय माध्यमिक शाला चनई विकासखंड परसवाड़ा में पदस्थ किया गया था और शासकीय प्राथमिक शाला इमलाटोला भादा के प्राथमिक शिक्षक अगहन लाल मेरावी को प्रशासनिक कार्य व्यवस्था की दृष्टि से अस्थाई रूप से शासकीय सीनीयर बालक छात्रावास ठेमा के अधीक्षक का प्रभार सौंपा गया था। प्राथमिक शिक्षक अगहन लाल मेरावी द्वारा 11 फरवरी 2021 को पत्र के माध्यम से अवगत कराया गया है कि माध्यमिक शिक्षक मनोज रायकर द्वारा अब तक उसे सीनीयर बालक छात्रावास ठेमा के अधीक्षक का प्रभार नहीं सौपा गया है। शिक्षक मनोज रायकर द्वारा वरिष्ठ अधिकारी के आदेश की अवहेलना करने एवं उसका यह कृत्य विपरीत कदाचरण की श्रेणी में आने के कारण सहायक आयुक्त श्री वर्मा द्वारा उसे तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह आदेश तत्काल प्रभावी हो गया है।

संदिग्ध अवस्था में मिली युवक सुरेन्द्र चौधरी की लाश

कटंगी, नवप्रदेश। थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम लोहमारा में एक युवक की संदिग्ध अवस्था में लाश मिलने का मामला प्रकाश में आया है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनसुार ग्रामीण थाना क्षेत्र के ग्राम चिचगांव निवासी सुरेन्द्र उर्फ अज्जू चौधरी 21 वर्ष जो आईटीआई का छात्र है, अपने भाई की ससुराल धानीटोला गया हुआ था। वहां से भाई के साले के साथ लोहमारा ग्राम वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल गया था। जिसकि लाश आज 17 फरवरी की सुबह ग्राम लोहमारा में रोड किनारे खेत में संदिग्ध अवस्था में पड़ी हुई थी। घटना की जानकारी पुलिस को मिलते ही तथा घटना की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गौतम सोलंकी मौके पर पहूंच गये थे। वहीं जिला मुख्यालय से एफएसएल टीम को घटनास्थल पर बुलाया गया जहां टीम में वैज्ञानिक अधिकारी गौतमा मेश्राम, एएसआई मनोज तरवरे, पुलिस फोटोग्राफर लोकेश चौकसे द्वारा पहूंच कर घटनास्थल एवं आसपास का बारीकी से निरीक्षण किया जा रहा है। सूत्रो द्वारा बताया जा रहा है कि मामला युवती से जुड़ा हुआ है, इसलिए हत्या की आशंका जताई जा रही है। जांच उपरांत ही पता चल पायेगा कि युवक सुरेन्द्र चौधरी की हत्या हुई या फिर किसी और वजह से मौत हुई है। फिलहाल पुलिस मामले की गंभीरता से जांच में जुटी हुई है।

मंत्री कावरे ने तीन जरूरतमंदों को दिलाई 1.20 लाख रुपये की राशि

बालाघाट, नवप्रदेश। मध्यप्रदेश शासन के राज्यमंत्री आयुष (स्वतंत्र प्रभार) एवं जल संसाधन विभाग राम किशोर कावरे ने सहृदयता दिखाते हुए तीन लोगों को बीमारी के उपचार के लिए सहायता राशि उपलब्ध कराई है। मुसीबत के समय में आर्थिक सहायता दिलाने के लिए इन तीनों व्यक्तियों ने मंत्री श्री कावरे की सहृदयता के लिए उनका आभार व्यक्त किया है।

मंत्री श्री कावरे की अनुशंसा पर बालाघाट तहसील के ग्राम तुमडीटोला-मगरदर्रा निवासी मनोज पारधी को नागपुर के गेटवेल अस्पातल में उपचार कराने के लिए मुख्यमंत्री स्वैच्छानुदान मद से 01 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। मंत्री श्री कावरे के प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री द्वारा श्री पारधी के इलाज हेतु राशि स्वीकृत की गई है । इसी तरह बालाघाट निवासी आकाश जोशी एवं परसवाड़ा (लिंगा) निवासी विनोद सहारे को स्वास्थ्य उपचार के लिए मंत्री श्री कावरे ने अपने स्वेच्छानुदान मद से 10-10 हजार रूपये की राशि प्रदान की है।

अधिकारी और कर्मचारी एक ही स्थान पर पदस्थ रहकर लगा रहे भ्रष्टाचार की गंगा में डुबकी

अंगद के पांव की तरह जमे अधिकारी-कर्मचारी

कटंगी क्षेत्र में शासन की स्थानांतरण नीति का नही कोई औचित्य

कटंगी, (नव प्रदेश)

जहां एक और राज्य शासन द्वारा थोक में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के तबादले किए जा रहे हैं। वहीं विकासखण्ड कटंगी में लगभग सभी कार्यालयों में पदस्थ शासकीय कर्मचारी एवं अधिकारी कई वर्षो से अंगद के पैर की तरह कई कार्यालयों में जमे हुए हैं। विकासखण्ड मुख्यालय के शासकीय कार्यालयों में भृत्य से लेकर ए ग्रेड के अधिकारी तक सालों से एक ही कार्यालयों में पदस्थ हैं। अंगद के पांव की तरह विभिन्न विभागो में पदस्थ अधिकारी-कर्मचारी बीते कई वर्षो से एक ही जगह पर जमे हुए है जबकि कई दफा इनका स्थानांतरण भी हो चुका है लेकिन नियमो को ताक पर रखकर कभी राजनीतिक रसूख तो कभी आला अधिकारियों के संरक्षण की वजह से कार्यमुक्त होकर जमे हुए है। जबकि नियमो के साथ-साथ चुनावी वर्ष में 3 वर्ष से एक ही स्थान पर पदस्थ शासकिय कर्मचारी चाहे वह अधिकारी या अन्य पद पर पदस्थ हो उसका स्थानांतरण नियमानुसार होता है लेकिन कटंगी विकासखंड में नियम केवल कागजो तक ही सीमित रह गये है। गौर करने वाले बात है कि एक तरफ शासन ने सरकारी कार्यालयो में व्याप्त भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने और कामकाज में पारदर्शिता लाने के मकसद से तबादला नीति बनाई है।

शासन की नीति का नही कोई औचित्य

जानकारी के अनुसार कटंगी विकास खण्ड में शासन की निती का कोई औचित्य नहीं रह गया हैं। यहां अनेक विभागों मे पदस्थ अधिकारी से लेकर कर्मचारी तक विगत कई वर्षो से एक ही स्थान पर पदस्थ रहते हुए भ्रष्टाचार में लिप्त होकर व्यारे-न्यारे हो रहे है। बावजूद उसके ऐसे अधिकारी-कर्मचारियों का स्थानांतरण नही हुआ है। समय- समय पर क्षेत्र की राजनिती में भाजपा और कांग्रेस का शासन आते जाते रहा है। कई विधायक, सांसद बदल गये किन्तु यह अधिकारी आज भी नियम कानूनों को धता बताते हुये रसूखदारो से सेटिंग कर एक ही स्थान पर जमें हुये है। और शासन की योजनाओं को पलीता लगाने में कोई कोर कसर नही छोड़ रहें है। सूत्र तो यह भी बता रहे है कि उन्होने अपने भ्रष्ट कारनामों से भारी संपत्ती भी आहूत कर ली है, जिसकी जॉच में खुलासा भी हो सकता है। यह अधिकारी यहां से अन्य स्थान पर स्थानतरित भी नही होना चाहते है।

दस वर्षो से पदस्थ महिला बाल विकास अधिकारी

मिली जानकारी अनुसार कटंगी के महिला बाल विकास अधिकारी पुष्पेन्द्र राणाडे लगभग दस वर्षो से भी अधिक समय से एक ही स्थान पर पदस्थ है। जबकि शासन की स्थानांतरण निती के तहत तीन वर्षो के पदस्थापना कें पश्चात अन्य स्थानों पर स्थानांतरित कियें जाने के नियम है। बताया गया है की यह अधिकारी यहां से जाना ही नही चाहते और अन्य स्थान पर ना जाने के लिए अपने आकाओं को चड़ावा देते है। विदित हो की महिला बाल विकास केन्द्र कटंगी के अंतर्गत 8 सेक्टर आते है, जिसमें सेक्टर प्रभारियों से सांठ गांठ कर भारी भ्रष्टाचार किया जा रहा है। शासन द्वारा महिलाओं और बच्चों के हितार्थ के लिए चलाये जाने वाली शासन की योजनाओं में भारी भ्रष्टाचार जारी है। जिसकी समय-समय पर क्षेत्र वासीयों द्वारा शिकायतें भी कि गई किन्तु जॉच अधिकारी द्वारा जॉच के दौरान मामले को दबाने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को गलत जानकारी दे कर दोषियों को बचाने का कुत्सित प्रयास किया गया।

लॉकडाउन में भी नही चूके भ्रष्टाचार की गंगा में डूबकी लगाने से

विश्वव्यापी महामारी कोरोना ने समूचे देश की अर्थव्यवस्था बिगाड़कर रख दी है। किन्तु कुछ ऐसे भी शासकिय नुमाईदे है जिन्होने ने इस आपदा को अवसर बनाते हुए भ्रष्टाचार की गंगा में डूबकी लगाने से नही चूक पाये है। जानकारो की माने तो लॉकडाउन के दौरान शासन द्वारा महिलाओ और बच्चों को पौष्टिक आहार के रूप में सत्तू वितरण कार्य में भारी भ्रष्टाचार करने की शिकायत जिला कलेक्टर से की गई थी जिसकी जॉच पर शिकायत की पुष्टी होने के पश्चात भी जॉच अधिकारियों द्वारा दोषियों को बचाने का मामला सुर्खीयो में रहा था। वर्तमान में भी अनेक प्रकार की अनियमित्ताओं का क्रम जारी होने कि शिकायते चर्चाओ में है किन्तु जिम्मेदार आला अधिकारियों द्वारा इन पर कार्यवाही न होने के चलते इनके हौंसले बुलंद रहते है।

शौचालय निर्माण के नाम पर रूपये की मांग, सचिव पर लगा आरोप

सचिव की कार्यप्रणाली से ग्रामीण हो रहे परेशान

कटंगी, नवप्रदेश

ग्रामीण क्षेत्रो में योजनाओ का लाभ देने के नाम पर आज भी जनप्रतिनिधियों एवं शासकिय कर्मचारियों द्वारा लगातार ग्रामीण हितग्राहियों को ठगा जा रहा है। पंचायत प्रतिनिधियों व कर्मचारियों की लापरवाही और भ्रष्ट कार्यप्रणाली की वजह से साल बितने के बाद भी ग्रामीणो को योजनाओ का लाभ नही मिल पाता है। जिम्मेदारो की इस तरह की कारगुजारी से शासन की योजनाओ पर पलीता लग रहा है, तो वहीं हितग्राहियों को योजनाओ का लाभ दिलवाने के नाम राशी की मांग करना जैसे सरकार की मंशा पर पानी फेंरने जैसा है। ऐसा ही मामला जनपद पंचायत कटंगी के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बम्हनी में सामने आया है जहां सचिव द्वारा ग्रामीण हितग्राहियो को योजनाओ का लाभ दिलवाने के नाम पर रूपये मांगे जा रहे है।

जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत बम्हनी में पदस्थ सचिव लखन कुर्वे की भ्रष्ट एवं लापरवाह कार्यप्रणाली से ग्रामवासियों का कार्य नही हो पा रहा है। ग्रामीणो ने बताया कि सचिव लखन कुर्वे आये दिन ग्राम पंचायत कार्यालय से नदारद रहते है। वहीं सचिव द्वारा शासन की शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलवाने के एवज में हितग्राहियों से रूपये मांगे जाने की शिकायतों की चर्चा भी जोरो पर है। जिसके चलते ग्रामीणो में भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणो ने यह भी बताया कि प्रभारी सचिव द्वारा शिकायत कर्ता हितग्राहीयों को भी कहा जाता है कि यदि मेरी शिकायत की तो कार्यो के भुगतान पर रोक लगा दुगां। वहीं दूसरी ओर ग्रामीणों के अनुसार सचिव बगैर किसी सुचना कें कार्यालय से नदारत रहता है। जिससे ग्रामीणों के कार्य अवरूध हो रहे हैं। प्रभारी सचिव के ग्राम पंचायत बम्हनी के पद स्थापना के पश्चात ही ग्रामीणों को पंचायत संबंधी छोटे-छोटे कार्यो के लिए कई-कई दिनो तक पंचायतो के चक्कर काटना पड़ रहा है।

२-५ हजार रूपये की मांग की हो रही चर्चा

जानकारी के अनुसार गत 15 फरवरी 2021 को भी सचिव ग्राम पंचायत में उपस्थित नही थे जिसके चलते ग्रामीणो को उनके काम नही होने से परेशान और निराश देखा गया। वहीं उक्त सचिव को कम्प्यूटर संबंधी कार्य नही आने कें कारण डिमांड सें लेकर पेमेंट निकालने तक का कार्य दूसरे व्यक्ति से करवाता है। ग्रामीणों के अनुसार प्रभारी सचिव द्वारा शौचालय निर्माण कार्य में हितग्राहीयों से 2-5 हजार रूपयें तक लिये जाने की चर्चा का विषय बना हुआ है। यदि किसी हितग्राहि ने वरिष्ठ अधिकारियों को शिकायत की तो शिकायत कर्ताओ को धमकी देकर मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रभारी सचिव का जनपद के अधिकारियों से ताल मेल बना हुआ है जिसके चलते उनके द्वारा शासन द्वारा संचालित योजनाओ में ग्रामीणों को

तत्कालीन सरपंच को 30 दिन जेल में बंद रखने का आदेश

निर्माण कार्यो में 02.56 लाख रुपये के गबन का मामला

बालाघाट, नवप्रदेश

विहित प्राधिकारी अधिकारी एवं जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती आर.उमा महेश्वरी ने ग्रामीण विकास विभाग के निर्माण कार्यो में भारी गड़बड़ी किये जाने के कारण बैहर विकासखंड की ग्राम पंचायत खजरा के पूर्व सरपंच शंकर शाह वल्के को 30 दिनों के लिए सिविल जेल में बंद रखने के आदेश दिये है।

ग्राम पंचायत खजरा में वर्ष 2011-12 एवं वर्ष 2012-13 में कराये गये ग्रामीण विकास कार्यो में अनियमितता किये जाने के कारण तत्कालीन सरपंच शंकर शाह वल्के को न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं विहित प्राधिकारी बैहर द्वारा 19 जून 2013 को 02 लाख 56 हजार 422 रुपये की राशि कार्यालय जिला पंचायत बालाघाट में जमा कराने के आदेश दिये गये थे। लेकिन उसके द्वारा 15 फरवरी 2021 तक यह राशि जमा नहीं कराई गई है। जिसके कारण विहित प्राधिकारी श्रीमती आर उमा माहेश्वरी ने ग्राम पंचायत खजरा के तत्कालीन सरपंच शंकर शाह वल्के को 30 दिनों के लिए सिविल जेल में बंद रखने के आदेश दिये है।

कलेक्टर श्री आर्य ने लगवाया कोविड वैक्सीन का टीका

बालाघाट, नवप्रदेश

कोविड वैक्सीन टीकाकरण के प्रथम चरण में स्वास्थ्य कर्मियों को टीका लगाया गया है। शासन की नीति के अनुरूप 08 फरवरी से फ्रंट लाईन वर्करों को कोविड वैक्सीन का टीका लगाना प्रारंभ किया गया है। आज 17 फरवरी को कलेक्टर दीपक आर्य ने जिला चिकित्सालय बालाघाट के कोविड वैक्सीन टीकाकरण केन्द्र जाकर कोविड वैक्सीन का टीका लगवाया। इस दौरान अपर कलेक्टर फ्रेंक नोबल ए, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज पांडेय, सिविल सर्जन डॉ अजय जैन एवं जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ परेश उपलप भी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री आर्य ने कोविड वैक्सीन का टीका लगाने के बाद बताया कि यह टीका पूरी तरह से सुरक्षित है और इसके कोई साईड इफेक्ट नहीं है। किसी भी व्यक्ति को कोविड वैक्सीन लगाने से डारने एवं घबराने की जरूरत नहीं है। कोविड वैक्सीन का टीका लगाने के बाद व्यक्ति अपने कार्य पर जा सकता है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज पांडेय एवं जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ परेश उपलप ने कलेक्टर श्री आर्य को कोविड वैक्सीन टीका लगाये जाने का प्रमाण पत्र प्रदान किया। कलेक्टर श्री आर्य ने कोविड वैक्सीन का टीका लगाने के बाद जिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं को देखा और चिकित्सालय में साफ सफाई व्यवस्था को दुरूस्त बनाये रखने के निदेज़्श दिये। इस दौरान उन्होंने चिकित्सालय में आने-जाने वाले लोगों पर निगरानी रखने के लिए कुछ स्थानों पर सीसीटीव्ही कैमरे लगाने के निर्देश भी दिये।

जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ परेश उपलप ने बताया कि द्वितीय चरण में जिले के 10 हजार 418 फ्रंट लाईन वर्करों को कोविड वैक्सीन का टीका लगाने का लक्ष्य रखा गया है। द्वितीय चरण में 08 से 17 फरवरी तक 07 हजार से अधिक फ्रंटलाईन वर्करों को कोविड वैक्सीन का टीका लगाया जा चुका है। फ्रंटलाईन वर्करों को सीआरपीएफ अस्पताल भरवेली, आम्बेडकर भवन वारासिवनी, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र किरनापुर, कटंगी, खैरलांजी, लांजी, परसवाड़ा, बैहर, बिरसा, लालबर्रा, एवं जिला चिकित्सालय बालाघाट में कोविड वैक्सीन का टीका लगाया जा रहा है। कोविड वैक्सीन टीकाकरण के द्वितीय चरण में फ्रंटलाईन वर्करों को टीका लगाया जा रहा है।

अचानक मौसम ने ली करवट, आंधी के साथ बरसे ओले

खेतो की फसल चौपट, किसानों के चेहरों पर छायी मायूसी

बालाघाट/परसवाड़ा, नवप्रदेश।

विगत कुछ दिनो से मौसम में उतार चढ़ाव का दौर जारी है। अचानक मौसम में आये बदलाव के चलते जिले के कई अंचलो में जोरदार तुफान के साथ बारिश और ओले गिरे है। जिले के वनांचलो में बैहर, बिरसा, परसवाड़ा सहित अन्य क्षेत्रो में विगत दो दिनो से बारिश का दौर जारी है। मंगलवार शाम से चालू हुई हवा-तुफान और बारिश का दौर आज बुधवार को दिन भर भी जारी रही। बारिश ने फिर से किसानो की चिंता बढ़ा दी है। इन दिनो किसानो के खेतो में दलहनी फसले लगी हुई है, अधिकतर किसानो की फसल कटने को तैयार है लेकिन अचानक बारिश और ओले गिरने के किसानो की समस्याएं बढ़ गई है।

परसवाड़ा क्षेत्र में मंगलवार शाम को हुई ओलावृष्टि का असर अब किसानों के चेहरे पर दिखने लगा है। ओलावृष्टि से फसलों को होने वाले नुकसान की आशंका से किसानों के चेहरे की खुशी गायब हो गई है। बारिश और ओलों की वजह से खेतों में फसलें चौपट हो गई हैं। किसानों का कहना है कि ओलावृष्टि से नुकसान होगा, जो गेहूं, चना एवं अन्य फसलें खेतों में हैं, उनकी वृद्धि प्रभावित होगी। किसानों का कहना है कि नुकसान का सर्वे कराया जाना चाहिए। तेज हवा के साथ बारिश और ओलावृष्टि के कारण किसानों को नुकसान हुआ है खेतों में लगी फसलें हवा के कारण जमीन में झुकी दिखाई दे रही हैं। उन फसलों का दाना पतला हो सकता है। ओलावृष्टि, से खेतों में पड़ी फसलें से किसानों को नुकसान की आशंका है।

हालांकि अभी फसलों को पकने में समय है, लेकिन मौसम की इस मार का फसलों की उपज पर खासा असर पड़ा है। किसानों का कहना है कि ओलावृष्टि के बाद से ही हम सब किसानों के चेहरे से खुशी गायब हो चुकी है। किसानो द्वारा तीन माह से किसान दिन-रात मेहनत कर रहे थे। किसानों के मेहनत भी अब रंग ला रही थी किन्तु अचानक हवा-तुफान के साथ हुई हुई बारिश और ओलावृष्टि ने किसानो की चिंता बढ़ा दी है।

अतिक्रमण हटाने नहीं हो रहा कलेक्टर के आदेश का पालन-महेश सहारे

बालाघाट, नवप्रदेश। जिले में गोवारी समाज की आरक्षित आखर गौठान भूमि पर फैले अतिक्रमण को हटाने बालाघाट कलेक्टर द्वारा वर्ष 2011 और 23 फरवरी 2018 के आदेश के बावजूद अब तक अधिनस्थ अमला भूमि पर किये गये अतिक्रमण को हटाने को लेकर गंभीर नजर नहीं आ रहा है, जिससे आदिवासी गोवारी समाज में प्रशासनिक कार्यप्रणाली को लेकर नाराजगी है। जिले में आखर गौठान भूमि पर कई बड़े लोगों ने अपने घर बना लिये है तो कई लोग भूमि पर इंडस्ट्री डालकर व्यवसाय कर रहे है तो कईयों ने दुकान बनाकर किराये पर दे दिया है। जिसे हटाने को लेकर समय-समय पर प्रशासन का ध्यान आदिवासी गोवारी समाज द्वारा आकृष्ट करवाया है, बावजूद इसके आखर गौठान भूमि पर पसरे अतिक्रमण को हटाने प्रशासन गंभीर नजर नहीं आ रहा है। यह बात आदिवासी गोवारी समाज जिलाध्यक्ष महेश सहारे ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में कलेक्टर के आदेश को लेकर दिये गये स्मरण पत्र सौंपने के दौरान कही।

इस दौरान आदिवासी गोवारी समाज प्रदेश अध्यक्ष अरूण मंडलवार, जिलाध्यक्ष महेश सहारे, परमानंद नागोसे, संजय वगारे, अशोक वाघाड़े, तिलकचंद ऐशने, नारायण कोहरे, मनोज आमाडारे, राजेश कारसपे सहित अन्य सामाजिक लोग मौजूद थे। जिलाध्यक्ष महेश सहारे ने बताया कि आदिवासी गोवारी समाज पूरे जिले में आखर गौठान भूमि के सीमांकन और उस पर फैले अतिक्रमण को हटाकर भूमि को सुरक्षित करवाने की पहल कर रहा है। जिसके तहत गत दिनों रेंगाटोला में आखर गौठान भूमि का सीमांकन किया गया।

सोनोग्राफी मशीन को किया गया सीलबंद

बालाघाट, नवप्रदेश। प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम पीसी एंड पीएनडीटी के अंतर्गत जिला स्तरीय समिति की अनुशंसा पर कलेक्टर दीपक आर्य के निर्देश पर 16 फरवरी को पशु चिकित्सालय बालाघाट की अल्ट्रासाउंड सोनोग्राफी मशीन को सील बंद कर दिया गया है।

पीसी एंड पीएनडीटी अधिनियम के अंतर्गत सोनोग्राफी मशीन का संचालन प्रशिक्षित व्यक्ति द्वारा ही किया जा सकता है। पशु चिकित्सालय बालाघाट की सोनोग्राफी मशीन को सीलबंद करने के लिए जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ पंकज महाजन के नेतृत्व में टीम पहुंची थी। इस टीम द्वारा मशीन के साथ ही कक्ष को भी सीलबंद कर दिया गया है।

मुख्य सचिव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से ली महत्वपूर्ण योजनाओं की समीक्षा बैठक

■ गौठान में विभिन्न अजीविकामूलक गतिविधियों से जुड़ी महिलाओं की आय बढ़ाने के लिए कार्ययोजना तैयार करें

नव प्रदेश संवाददाता

बलरामपुर। मुख्य सचिव छत्तीसगढ़ शासन श्री अमिताभ जैन ने राज्य शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं की समीक्षा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संभाग आयुक्तों, कलेक्टरों तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों की बैठक ली। मुख्य सचिव श्री जैन ने पूर्व निर्धारित बिन्दुओं पर कलेक्टरों से योजनाओं के प्रगति की वर्तमान स्थिति तथा बेहतर क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने गोधन न्याय योजना के तहत तैयार वर्मी कम्पोस्ट के शत-प्रतिशत विक्रय, जैविक खाद के उपयोग को बढ़ावा देने, गौठान को मल्टी एक्टिविटी सेंटर के रूप में विकसित करने के लिए योजनाओं का कन्वर्जेंस, किसानों को धान के अतिरिक्त अन्य फसलों की खेती के लिए प्रोत्साहित करना, कोविड-19 वैक्सीनेशन के निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति तथा नेशनल हाईवे के राज्य में चलित कार्यो को गति प्रदान करने के लिए जिला प्रशासन के सहयोग संबंधी विषयों पर विस्तृत समीक्षा की।

मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन ने समस्त कलेक्टरों को सर्वप्रथम गौठान में उत्पादित वर्मी कम्पोस्ट के उपयोग एवं विक्रय हेतु विभागवार कार्य योजना तैयार करने को कहा। कृषकों को जैविक खेती के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए कार्यशाला, किसान संगोष्ठी, चैपाल, होर्डिंग तथा अन्य परम्परागत संचार माध्यमों का प्रयोग करने को कहा। फसल प्रदर्शन के माध्यम से कृषकों को जैविक खेती से अवगत कराएं ताकि इसकी उपयोगिता का पता चल सके और वे समझ पाए की जैविक खाद के प्रयोग से उत्पादकता में कोई कमी नहीं आती है। मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन ने गौठान निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि मल्टी एक्टिविटी सेंटर के रूप में विकसित करने के लिए योजनाओं का कन्वर्जेंस कराया जाए। गौठान में विभिन्न अजीविकामूलक गतिविधियों से जुड़ी महिलाओं की आय बढ़ाने के लिए कार्ययोजना तैयार किया जाए ताकि उनकी आय में वृद्धि हो। मुख्य सचिव श्री जैन ने धान के अतिरिक्त अन्य फसलों को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय कृषि योजना, फसल प्रोत्साहन योजना तथा बीज प्रदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से कृषकों को प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने कोविड-19 वैक्सीनेशन के निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति के लिए सभी जरूरी कदम उठाने को कहा। इस अवसर पर संयुक्त जिला कार्यालय बलरामपुर के एनआईसी कक्ष में कलेक्टर श्री श्याम धावड़े, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती तुलिका प्रजापति, डिप्टी कलेक्टर श्री प्रवेश पैंकरा, उप संचालक कृषि श्री अजय अनंत, सहायक संचालक उद्यान श्री पतराम पैंकरा सहित अन्य

■ न्यूज गैलरी

जिला सहकारी बैंक एटीम घोटाला, ब्रांच मैनेजर पांडेय सहित सात पर किसानों के खाते से रकम निकालने का आरोप

बिलासपुर (नव प्रदेश)। भारतीय किसान संघ के द्वारा सकरी समिति के किसानों के खाते से बिना एटीएम कार्ड लिए 4 कृषकों के खाते से लगभग 8.36 हजार रुपये की राशि जिला सहकारी बैंक के कर्मचारियों द्वारा निकाले जाने की शिकायत जिला सहकारी बैंक के पदेन अध्यक्ष ,जिला कलेक्टर सारांश मित्तर से कर न्यायिक जाँच की मांग किसान संघ के द्वारा किया गया था ,जिस पर विभागीय जाँच की प्रक्रिया की जा रही थी जिसपर पूर्व में ब्रांच मैनेजर रंजना पांडेय को सर्वप्रथम ससेंड किया था ,और इसी कड़ी में बैंक प्रबंधन द्वारा और भी संलिप्त कर्मचारियों के खिलाफससेंड की कार्यवाही की गई है जिसमे 7 और कर्मचारियों को ससेंड किया गया है।

ओवरसाइट कमेटी के क्रियान्वयन हेतु दंडाधिकारी नोडल अधिकारी नियुक्त

मुंगेली (नव प्रदेश)। राज्य शासन द्वारा गठित जिला स्तरीय ओवरसाईट कमेटी के कियान्वयन हेतु कलेक्टर श्री पी.एस एल्मा ने अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी को नोडल अधिकारी एवं साख्य लिपिक जिला कार्यालय मुंगेली को लिपिकीय सहायक नियुक्त किया है।

आत्मा योजना के अंतर्गत डिप्टी प्रोजेक्ट डायरेक्टर के पद पर की जाएगी भर्ती

मुंगेली (नव प्रदेश)। परियोजना संचालक आत्मा उपसंचालक कृषि श्री डी.के. ब्योहार ने आज यहां बताया कि जिले में एक्स रि.आत्मा योजना अंतर्गत डिप्टी प्रोजेक्ट डायरेक्टर के रिक्त पद पर संविदा भर्ती की जाएगी। इस हेतु प्राप्त आवेदन पत्रों की जांच सहित अस्थ औपचारिकताएं पूरी करने के बाद पात्र-अपात्र आवेदकों की सूची जारी की गई है। जारी सूची के संबंध में दावा-अपत्ति 23 फरवरी को शाम 5.30 तक आमंत्रित किये गये है। दावा-अपत्ति उपसंचालक कृषि विभाग के कार्यालय में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत किये जा सकते है। सूची का अवलोकन जिले की वेबसाईट पर किया जा सकता है।

वन अधिकार नियमों अनुरूप पात्र प्रकरणों को मान्यता पत्र प्रदान की जाएगी-कलेक्टर

बलरामपुर (नव प्रदेश)। वन अधिकार मान्यता पत्र के निरस्त दावों की सुनवाई हेतु विकासखण्ड राजपुर के शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शिविर का आयोजन किया गया। कलेक्टर श्री श्याम धावड़े उपरोक्त शिविर का निरीक्षण करने पहुंचे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निरस्त प्रकरणों की सुनवाई के लिए पहुंचे आवेदकों से बात की तथा उनके प्रकरणों का अवलोकन भी किया।

विकासखण्ड राजपुर में वन अधिकार मान्यता पत्र के 5637 प्रकरणों को निरस्त किया गया था, इन निरस्त प्रकरणों की सुनवाई हेतु शिविर का आयोजन किया गया। ज्ञात है कि वन अधिकार मान्यता पत्र के निरस्त प्रकरणों के पुनर्विचार हेतु सभी विकासखण्डों में सुनवाई हेतु शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने शिविर में अधिकारियों से बात कर वनाधिकार के नियमों की जानकारी ली तथा इसके प्रावधानों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि जो आवेदक वन अधिकार नियमों के अनुरूप पात्रता रखते हैं उन्हें मान्यता पत्र प्रदान किया जाएगा। वन अधिकार मान्यता पत्र के शिविर आयोजन से बड़ी संख्या में हितग्राही लाभान्वित होंगे। पुनर्विचार शिविर में यदि किसी कारणवश पात्र हितग्राही के प्रकरणों को निरस्त किया गया था तो उन्हें पुनः वन अधिकार प्रदान करने के लिए आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विधानसभा अध्यक्ष मिले समाजिक बंधुओं से

सक्ती (नव प्रदेश)। छ.ग. विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक डॉ. चरणदास महंत ने सक्ती प्रवास के दौरान सालिका फैशन के संचालक समारू देवांगन के निवास पर

पहुंचकर सामाजिक बंधुओं से मिले एवं नगर एवं विधानसभा क्षेत्र की समस्याओं के संबंध में जानकारी ली एवं साथ ही समाज के समारू देवांगन, श्रीमती गीता देवांगन, चूड़ामणी ने देवांगन समाज के धर्मशाला के लिये 20.00 लाख रूपये की मांग की जिस पर छ.ग. विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास ने तत्काल 10.00 लाख रूपये देवांगन धर्मशाला को देने की घोषणा की । तत्पश्चात् महंत ने सामाजिक व्यक्तियों से कहा कि मेरे लायक कोई भी काम हो तो मुझे बतायेंगे मैं अपनी तरफसे तत्काल समाधान करने का प्रयास करूंगा। सालिका फैशन के संचालक समारू देवांगन ने समाज की ओर से 10.00 लाख रूपये धर्मशाला में घोषणा करने के बाद धन्यवाद दिया।

जनपद पंचायत सदस्य ने की वनमंत्री मो. अकबर से मुलाकात

सक्ती (नव प्रदेश)। जनपद पंचायत सदस्य धर्मेन्द्र सिंह ने अपने सहयोगियों के साथ रायपुर में परिवहन, आवास एवं वन पर्यावरण, विधि एवं विधायी कार्य, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति संरक्षण मंत्री मो. अकबर से मिलकर मुलाकात कर सक्ती और रामपुर विधानसभा की समस्याओं से अवगत कराया । जिस पर मो. अकबर ने कहा कि आपने जो मुझे दो विधानसभा के संबंध में जानकारी दी है उसको मैं तत्काल समस्याओं का समाधान करूंगा । मंत्री मोहम्मद अकबर से मिलने वालों में जनपद सदस्य धर्मेन्द्र सिंह, रवि गबेल एनएसयूआई अध्यक्ष, विधानसभा सक्ती के बसंत कुमार गोड सरपंच गोढी, पुरुषेन्द्र चन्द्रा प्रवक्ता कांग्रेस कमेटी, उमेष पटेल एनएसयाई ब्लाक अध्यक्ष, रोहित दोहरे आदि थे।

कलेक्टर पीएस एल्मा ने लगवाया कोविड का टीका

कोरोना का टीका सुरक्षित, हितग्राही अवश्य लगवाएं टीका : कलेक्टर

नव प्रदेश संवाददाता

मुंगेली। जिले में आज से कोविड टीकाकरण अभियान के दूसरे चरण की शुरुआत हो गई। जिसके तहत राजस्व, शहरी निकाय के साथ ही पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों को टीकाकरण का कार्य शुरू हो गया। इसी तारतम्य में कलेक्टर पी. एस एल्मा ने आज शहरी स्वास्थ्य केंद्र मुंगेली के टीकाकरण केंद्र पहुंचे और उन्होंने कोविड का पहला टीका लगवाया और टीका लगवाने के बाद आधा घंटे तक निगरानी कक्ष में रहे। इसके पूर्व कलेक्टर श्री एल्मा ने पंजीकरण, पहचान-पत्र सहित सभी औपचारिकताएं निर्धारित मानक के अनुरूप पूरी की। तत्पश्चात् कलेक्टर श्री एल्मा ने कहा कि वर्तमान समय में कोविड से बचने के लिए टीकाकरण

प्रभावी उपाय है। उन्होंने कहा कि जिन अधिकारी-कर्मचारियों और फ्रंटवारियर्स का टीकाकरण के लिए नंबर आया है वे अनिवार्य रूप से टीका लगवाएं।

कलेक्टर श्री एल्मा ने कहा कि कोविड-19 की वैक्सीन पूरे तरह सुरक्षित और असरदार है। कोविड-19 के टीकाकरण से घबराने की जरूरत नहीं है। संबंधित अधिकारी-कर्मचारी जिसका नाम कोविड पोर्टल पर पंजीकृत है, संबंधित टीकाकरण स्थल पर जाकर जरूर टीका लगवाएं। कलेक्टर श्री एल्मा ने कहा कि कोविड का टीकाकरण दो बार लगाया जायेगा, पहला टीका लगने के 28 दिन बाद दूसरा टीका लगाया जायेगा। उन्होंने कहा कि समाज व परिवार की सुरक्षा के लिए टीकाकरण बहुत जरूरी है। कोविड टीकाकरण अभियान का प्रथम चरण 16 जनवरी से प्रारम्भ हुआ था। जिले में प्रथम चरण में कोविड टीकाकरण हेतु 4 हजार 840 हितग्राहियों का पंजीयन किया गया था। इनमें से 3 हजार 455 हितग्राहियों ने कोविड का टीका लगवाया। कोविड टीकाकरण के द्वितीय चरण हेतु 3 हजार 455 हितग्राहियों का पंजीयन हुआ है। इनमें से अब तक 181 हितग्राहियों ने कोविड का टीका लगवाया।

कलेक्टर श्री एल्मा ने कहा कि टीकाकरण हेतु निर्धारित सभी केंद्रो में दो गज की दूरी, साबुन से हाथ धोना और मॉस्क पहनने का पालन करते हुए टीकाकरण संचालित किया जा रहा है। उन्होंने सभी लोगों को ऐसे अनुशासन का पालन अवश्य करने की समझाइश दी।

बिलासपुर से दिल्ली दो फ्लाइट चलेंगी

■ जांच कमेटी ने डीजीसीए को भेजा प्रस्ताव, मार्च में शुरू होने की उम्मीद

नव प्रदेश संवाददाता

बिलासपुर। बिलासपुर से दिल्ली नियमित हवाई सेवा की शुरुआत करीब तय हो गई है। बिलासा हवाई अड्डा का निरीक्षण करने आई जांच टीम ने इस सिलसिले में उड्डयन विभाग के डायरेक्टर जनरल को प्रस्ताव भेज दिया है। जिसमें बिलासपुर दिल्ली के बीच दो फ्लाइट का प्रस्ताव है। एक फ्लाइट दिल्ली से जबलपुर होकर बिलासपुर आएगी। जबकि दूसरी फ्लाइट दिल्ली से प्रयागराज होकर चलेगी। मार्च के अंतिम हफ्ते में यह सुविधा शुरू होने की उम्मीद है। अभी हफ्ते में 4 दिन यह सेवा शुरू करने का प्रस्ताव दिया गया है। बिलासपुर से दिल्ली के बीच हवाई सेवा की मांग को देखते हुए कमेटी ने यह प्रस्ताव भेजा है। यह जानकारी हवाई सेवा जन संघर्ष समिति के सुदीप श्रीवास्तव ने पत्रकारों को दी। उन्होंने बताया कि बिलासा हवाई अड्डे का निरीक्षण करने आई जांच टीम ने डीजीसीए और एलाइंस एयर को बिलासपुर-दिल्ली फ्लाइट शुरू करने का प्रस्ताव भेज दिया है। बिलासपुर से दिल्ली के बीच हवाई सेवा के लिए अधिक मांग को देखते हुए बिलासपुर से दिल्ली के बीच दो फ्लाइट शुरू करने का प्रस्ताव भेजा गया है। जिसमें एक फ्लाइट दिल्ली से जबलपुर होकर बिलासपुर आएगी और यह फ्लाइट प्रयागराज होते हुए दिल्ली वापस जाएगी। दूसरी फ्लाइट दिल्ली से प्रयागराज होते हुए बिलासपुर आएगी और जबलपुर होते हुए दिल्ली जाएगी। सुदीप श्रीवास्तव ने बताया कि जांच कमेटी ने यह प्रस्ताव डीजीसीए और एलाइंस एयर को भेजा है। प्रस्ताव के संबंध में जानकारी दी गई है कि एक फ्लाइट सुबह आएगी और दूसरी शाम को पहुंचेगी। मार्च के अंतिम 28 मार्च के बाद के लिए फ्लाइट का समय तय किया गया है। अभी हफ्ते में 4 दिन बिलासपुर दिल्ली के बीच हवाई सुविधा मिल सकेगी।

हापा-बिलासपुर-हापा के मध्य अतिरिक्त साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन की सुविधा

बिलासपुर (नव प्रदेश)। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की बेहतर यात्रा सुविधा हेतु हापा-बिलासपुर-हापा के मध्य अतिरिक्त साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है । गाड़ी संख्या 09239 हापा-बिलासपुर प्रत्येक शनिवार को दिनांक 27 फरवरी 2021 से तथा गाड़ी संख्या 09240 बिलासपुर-हापा प्रत्येक सोमवार को दिनांक 01 मार्च 2021 से अगली सूचना तक चलेगी। गाड़ी संख्या 09239 हापा-बिलासपुर साप्ताहिक स्पेशल प्रत्येक शनिवार को हापा से 21.55 बजे रवाना होगी तथा दूसरे दिन गोंदिया स्टेशन आगमन 22.05 बजे प्रस्थान 22.10 बजे, दुर्ग स्टेशन आगमन 00.05 बजे प्रस्थान 00.10 बजे तथा 03.00 बजे बिलासपुर पहुंचेगी। 09240 बिलासपुर-हापा साप्ताहिक स्पेशल प्रत्येक सोमवार बिलासपुर से 10.45 बजे रवाना होगी, रायपुर स्टेशन आगमन 12.35 बजे प्रस्थान 12.40 बजे, दुर्ग स्टेशन आगमन 13.35 बजे प्रस्थान 13.40 बजे, गोंदिया स्टेशन आगमन 15.33 बजे प्रस्थान 15.35 बजे तथा दूसरे दिन 15.30 बजे हापा पहुंचेगी।

हाईटेंशन तार में चिपकने से हुई युवक की मौत

नव प्रदेश संवाददाता

बिलासपुर। जिले के सदर बाजार में आज एक बड़ा हादसा हो गया बारिश के बीच विद्युत तारों में अचानक करंट आने से एक बिजली कर्मी की मौत हो गई हाईटेंशन तार के ऊपर से केबल को काटने गए युवक की मौत के बाद हड़कंप मच गया है। तो वही आदिम जाति कल्याण विभाग के दफ्तर पर ऐसी अचानक जल गया जिसके धमाके की गूंज से सभी सन्न रह गए। बिजली विभाग के अफसरों की लापरवाही से युवक की मौत को लेकर कर्मचारियों में आक्रोश है बताया जाता है कि दोपहर के समय सदर बाजार में करुणा चौक के पास के आसपास ट्रांसफर्मर में अचानक आग लग गई और लोगों के घरों के तार भष्ट हो गए, जिसके बाद लोगों ने इसकी सूचना विद्युत कंपनी को दी। जिस पर श्याम टॉकीज के

सामने विद्युत वितरण कंपनी के दफ्तर में कार्यरत टिंकू राजपूत को अधिकारियों ने यहां विद्युत लाइन सुधारने के लिए भेजा था,वही आगजनी को रोकने के लिए टिंकू राजपूत रिंकू राजपूत ने पहले विद्युत वितरण कंपनी के अफसरों को फोन से जानकारी देते हुए सदर बाजार का विद्युत करंट विद्युत प्रभाव बंद करने के लिए कहा उधर से अधिकारियों ने रिंकू राजपूत को बताया कि बिजली बंद कर दी गई है। और वहां केबल को काट सकता है। और जैसे ही महेश ज्वेलर्स के ऊपर छत में करुणा चौक में टिंकू रिंकू बिजली काटने पहुंचा करंट की चपेट में आ गया जिस समय यह कार्रवाई की जा रही थी ऊपर में करंट था और अधिकारियों ने बता दिया था कि बिजली काट दी गई है आनन-फानन में बेहोशी की हालत में विद्युत कर्मी को सिर्फलाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया अब बिजली विभाग के अधिकारी एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं विद्युत विभाग के इंजीनियर अमर चौहान का कहना है कि इनवर्टर में करंट रिटर्न आ गया होगा इसलिए, या घटना हुई इस घटना के लिए जिम्मेदारी तय की जाएगी।

ऊपर तक पहुंच बताने वाले पर मुक्तिधाम सहित 4 एकड़ सरकारी जमीन पर कब्जे का आरोप

नव प्रदेश संवाददाता

बिलासपुर। कांग्रेस नेता पर आम लोगो के निस्तारी व मुक्तिधाम जाने हेतु 40 फिट चौड़ी रास्ता जिसपर किसानों द्वारा निर्माण किया गया था उसे जेसीबी चलवाकर उखाड़वाले तकरीबन 4 एकड़ जमीन पर कब्जा का आरोप लगा है। बताया जा रहा है कि मना करने पर कांग्रेस नेता अपने संबंध ऊपर तक होने का हवाला देकर देकर झूठे मामले में फसाने की धमकी देता है। मामले में मिली जानकारी के मुताबिक ग्राम बिरकोना के किसान व ग्रामवासियों ने सरकंडा क्षेत्र में रहने वाले कांग्रेस नेता विनोद साहू पर आरोप लगाया है कि बिरकोना क्षेत्र की तकरीबन 10

से 12 किसानों ने अपने खेत में जाने के लिए एवं वार्ड नं 64 महामाया नगर के समस्त ग्रामवासी ने आम लोगो के निस्तारी व मुक्तिधाम जाने हेतु 40 फ़ैट चौड़ी रास्ता जो किसानों द्वारा अपने खर्च से निर्माण करवाया गया था उसे कांग्रेस नेता साहू द्वारा जेसीबी चलवाकर उखवा दिया गया। उन्होंने बताया कि तकरीबन 20 वर्ष पूर्व अपने फर्म हाउस के अंदर की कृषि भूमि व शासकीय भूमि को अवैध प्लाटिंग कर बेचा गया है व आशावान बिरकोना रोड की लगभग 4 एकड़ जमीन को अवैध रूप से कब्जा कर रखा है,इसके साथ ही धरसा रोड की जमीन में भी कब्जा किया गया है, उनका कहना है कि विनोद साहू खुद को कांग्रेस नेता व ब्लॉक अध्यक्ष सहित ग्रहमंत्री ताम्रध्वज साहू का करीबी होने की बात कहते हुए झूठे मामले में फसा देने की धमकी देता है।

एलआईसी अफसर के खाते से 84 हजार रुपए से ज्यादा निकाले

बिलासपुर (नव प्रदेश)। एक एलआईसी बीमा निगम अफसर को झांसा देकर शातिर ठगों ने 84 हजार रुपए से ज्यादा उनके खाते से निकाल लिए। ठगों ने कॉल कर क्रेडिट कार्ड बंद करने का झांसा दिया और अफसर से उसका नंबर व ओटीपी पूछ लिया। इसके बाद खाते से रकम निकाल ली। अफसर को इस ठगी का पता दो माह बाद बैंक जाने पर चला। मामला सिविल लाइंस थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, जरहाभाठ निवासी मनोजीत डे एलआईसी में सहायक प्रशासनिक अधिकारी हैं और मुंगेली में पदस्थ हैं। उनके मोबाइल पर 15 दिसंबर को एक कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को बैंक कर्मचारी बताया और कहा कि वह अपना क्रेडिट कार्ड जारी रखना चाहते हैं तो 24 हजार रुपए वार्षिक शुल्क देना होगा। अफसर डे ने कार्ड एक्टिवेट करने में असमर्थता जताई तो ठग ने उसे बंद करने की बात कही। क्रेडिट कार्ड का पेमेंट अगले महीने खाते से कटा तो उसकी एंट्री से पता चला इसके बाद कार्ड का नंबर और मोबाइल पर आया ओटीपी पूछा। उसकी बातों में आकर अफसर ने ठग को इसकी जानकारी दे दी। इसके बाद उनके कार्ड से 84,331,83 रुपए की खरीदारी कर ली गई। बिलिंग साइकिल के दौरान कार्ड का पेमेंट भी उनके खाते से 12 जनवरी को कट गया। इसके बाद भी उन्हें पता नहीं चला।

प्रथम पृष्ठ का शेष

प्रदेश में वन क्षेत्र का

वनोपज के विक्रय में रोजगार के अवसर बढ़ाने की आवश्यकता है। कोरोना काल में वन औषधियों का महत्व बढ़ा है। हमें वन क्षेत्र से लकड़ी के अलावा और किन-किन गतिविधियों से आय हो सकती है, इस पर विचार करना होगा। वन और आजीविका को जोड़कर यदि हम गतिविधियों का संचालन करें तो लोग स्वयं वन बचाएंगे। उन्होंने मनुष्य और वन्य-प्राणी संघर्ष की स्थितियों से बचाव के लिए आवश्यक कदम उठाने की आवश्यकता बताई। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि वन अमले की सुरक्षा हर हाल में सुनिश्चित की जाएगी। प्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद में वन का योगदान दो प्रतिशत है। इसे बढ़ाकर हमें पाँच प्रतिशत करना है। आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण के लिए निर्धारित रोडमैप के अंतर्गत वन विभाग से संबंधित लक्ष्यों को समय-सीमा में पूरा करने की आवश्यकता है।

सीधी बस हादसा: नहर

में रहने वाले थे। इस बड़े हादसे में छह लोगों को उनके जज्बे ने बचा लिया। इसमें तीन पुरुष और तीन युवतियां शामिल हैं। इस दौरान बहादुर बेटी शिवरानी और उसके परिजन ने इन छह लोगों को बचाने में गजब की हिम्मत और जज्बा दिखाया। इसमें से अधिकतर 200 से 500 मीटर तक बह गए थे। अनिल तिवारी ने बताया, 'जैसे ही बस नहर में डूबने लगी, बस की बंद खिड़की को जोर से हाथ मारा, जिससे कांच टूट गया। मुझे तैरना आता था। बगल में बैठे सुरेश गुप्ता को बचाने की कोशिश की और उनका हाथ पकड़कर खिड़की से बाहर खींच लिया।' सुरेश गुप्ता 62 वर्ष के हैं। तैरना भी कम जानते थे, लेकिन दोनों ने एक-दूसरे का हाथ पकड़कर नहर का किनारा पकड़ लिया। करीब 300 मीटर दूर जाकर एक पत्थर मिला, जिसके सहारे दोनों अपनी जान बचा पाए। ज्ञानेश्वर चतुर्वेदी बस में सामने के कांच से आगे की ओर देख रहे थे। जैसे ही बस नहर में गिरने लगी तो उन्होंने खिड़की के कांच में पैर मारा और पानी में कूद गए। गनीमत यह रही कि वे बस के किसी हिस्से में नहीं फंसे। देखते ही देखते उनकी आंखों के सामने ही बस धीरे धीरे डूब गई। वे नहर का किनारा पकड़कर तैरने लगे। तभी एक सीढ़ी मिली, जिसे पकड़कर ऊपर आ गए।

देश में पहली बार

में था। जिस तख्ते पर दोषी को फांसी को दी जाती है, वह टूट चुका था। अब उसे बदलवा दिया गया है। लीवर भी जाम हो चुका था। वह भी ठीक हो चुका है। मेरठ के जेल अधीक्षक डॉक्टर बीबी पांडेय बताया कि मथुरा जेल से जैसे ही पवन जल्लाद को बुलावा आएगा, उसे भेज देंगे। जांच में पता चला था कि शबनम गर्भवती थी, लेकिन परिवारवाले सलीम से उसकी शादी के लिए तैयार नहीं थे।

किसान आज देशभर में

घर से 2 तलवारें भी बरामद हुई हैं। मनिंदर स्वरूप नगर में अपने घर के पास खाली प्लॉट में तलवार चलाने की ट्रेनिंग देता है। सोशल मीडिया की पोस्ट से उसके कट्टरपंथी होने का खुलासा हुआ है। वह अक्सर सिंघु बॉर्डर पर आता था और वहां के नेताओं के भाषणों से प्रेरित था। किसान आंदोलन राजनीतिक रंग लेता जा रहा है, इससे भाजपा की चिंता बढ़ रही है। उसका मानना है कि इसका जल्द हल नहीं निकला तो उसे चुनावों में जाट बहुल इलाकों में बड़ा नुकसान हो सकता है, खासकर पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान में पार्टी की स्थिति कमजोर हो सकती है। इन क्षेत्रों के सांसदों और विधायकों के फीडबैक के आधार पर पार्टी अब अपनी रणनीति बनाने में जुट गई है। शीर्ष नेतृत्व ने इसके लिए इन नेताओं को अपने-अपने क्षेत्र खासतौर पर जाट किसानों से लगातार संपर्क में रहने को कहा है।

ग्राम पंचायत मुकुंदपुर में नई राशन दुकान के लिये आवेदन 28 फरवरी तक

कोरबा। विकासखण्ड करतला के ग्राम पंचायत मुकुंदपुर में शासकीय उचित मूल्य की एक नई दुकान खुलेगी। ग्राम पंचायत मुकुंदपुर में नई दुकान के आबंटन के लिए कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी, राजस्व कोरबा द्वारा 28 फरवरी शाम पांच बजे तक आवेदन मंगाए गए हैं। अनुविभागीय अधिकारी, राजस्व कोरबा ने बताया कि नयी खुलने वाली उचित मूल्य की दुकान का आबंटन शासन द्वारा निर्धारित एजेंसियों को ही किया जाएगा। यह दुकान वृहदकार आदिमजाति बहुद्देशीय सहकारी समिति लेम्पस, ग्राम पंचायत या स्थानीय नगरीय निकाय, शासन द्वारा पंजीकृत महिला स्वसहायता समूह, वन सुरक्षा समितियां, अन्य सहकारी समितियां जिसका कार्य क्षेत्र ग्राम पंचायत क्षेत्र में अनिवार्य हो तथा राज्य शासन द्वारा विनिर्दिष्ट उपक्रम को ही आबंटित की जाएगी। नयी उचित मूल्य दुकान के आबंटन के लिए संस्था को निर्धारित प्रारूप में आवेदन के साथ जीवित पंजीयन प्रमाण पत्र, बायलाज की प्रति, समिति के पदाधिकारियों की सूची, समिति के बैंक पासबुक की सत्य प्रतिलिपि, वर्तमान में बैंक में उपलब्ध धनराशि का विवरण प्रस्तुत करना होगा।

स्वगीर्य भाई मेहरबान सिंह जी की प्रथम पुण्यतिथि पर व्याख्यान

नरसिंहपुर(नव प्रदेश)

ग्राम रम्पुरा भारतीय जनता पार्टी के बरिष्ट कार्यकत्ताओं पूर्व जिला पंचायत सदस्य, जनपद सदस्य, पूर्व पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष समाजसेवी स्वगीर्य भाई मेहरबान सिंह जी की प्रथम पुण्यतिथि पर व्याख्यान। माला का कार्यक्रम भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष दर्शन जी चौधरी के मुख्य आतिथ्य पूर्व विधायक गोविंद सिंह जी पटेल, पूर्व विधायक श्रीमती साधना जी स्थापक, पूर्व विधायक श्री भैयाराम जी पटेल, जिला महामंत्री वीरेंद्र सिंह फौजदार , भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीअभिलाष जी मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार श्री कौशलेन्द्र जी श्रीवास्तव,हरि प्रताप जी ममार पूर्व मंडल अध्यक्ष श्री वीरेंद्र सिंह जी राजपूत, श्री धर्मपाल जी राजपूत, श्री गौरीशंकर खेमरिया जी ,मंडल अध्यक्ष श्री कीरत सिंह गुर्जर जी, मंडल उपाध्यक्ष श्रीमती संध्या भदौरिया जी, महिला मोर्चा से महामंत्री श्रीमती मालती गुर्जर जी, सांसद प्रतिनिधि आनंद राजपूत जी ,मंडल उपाध्यक्ष सचिन जी, जिला उपाध्यक्ष मनोज दुबे जी, मंडल महामंत्री श्री राजेश पटेल जी,सपना तोमर जी , किसान संघ जिला महामंत्री राकेश खेमरिया जी,कमल सोनी,ब्रजेन्द्र सिंह पटेल साई खेड़ा, किसान संघ उपाध्यक्ष श्री साहब सिंह लोधी जी, किसान संघ युवा वाहिनी नितिन तिवारी जी, किसान संघ श्री देवेंद्र पटेल जी गुर्जर जी भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता श्री धन सिंह चौधरी जी ,डोभी, तेंदूखेड़ा,रम्पुरा के ग्राम वासी परिजन और बरिष्ट जन मौजूद थे। सभी बक्ताओ ने मेहरबान सिंह के व्यक्तित्व, राजनीति उपलिब्धयो , मिलनसार छवि पर प्रकाश डाला और श्रद्धांजलि दी। एवं सभी पत्रकार साथी विनोद चौकसे जी कमलेश अवधिया जी एवं सभी युवा मोर्चा पिछला वर्ग मोर्चा किसान मोर्चा विश्व हिंदू परिषद विद्यार्थी परिषद बजरंग दल सामाजिक संगठन एवं सभी ग्रामवासी एवं दूर-दूर अंचलों से पधारे सभी वरिष्ठ कार्यकर्ता मौजूद रहे एवं सभीअनुभवों ने बैठक में अपनी अपनी गरिमा उपस्थिति दर्ज कराते हुए।

लाखों खर्च करने के बाद बस स्टैंड सिर्फ कागजों में सिमट कर रह गया

तेंदूखेड़ा। (नव प्रदेश)

तेंदूखेड़ा नगर परिषद का है जहां लोगो की सुविधाओं को देखते हुए पुराने बस स्टैंड को जमींदोज कर कर नए बस स्टैंड का निर्माण किया गया जहां पर लाखों खर्च करने के बाद बस स्टैंड सिर्फ कागजों में सिमट कर रह गया जहां पर न तो यात्रियों के लिए प्रतीक्षालय की व्यवस्था है ना ही सुरक्षा की दृष्टि से कोई इंतजाम आलम यह बना रहता है कि यात्रियों को घंटों खड़े होकर धूप बरसात में खुले आसमान के नीचे बसों का करना पड़ता है। लाखों रुपए की लागत से व्यवसायिक दुकान बना दी गई लेकिन कई वर्ष बीत जाने के बाद भी नीलामी न होने की वजह से धूल चाट रही है सुलभ कांप्लेक्स अन्य पेयजल की सुविधाएं ढप्प होने से यात्रियों को यहां वहां भटकने के लिए मजबूर होना पड़ता है लोगों को नए बस स्टैंड का सपना दिखाकर पुराने बस स्टैंड को जमींदोज करने पर अब यहां के लोग अपनी किस्मत पर रोना रोते हुए भी नजर आते हैं क्योंकि इससे अच्छा तो पुराना बस स्टैंड ही था।

तेरा पीछा नही छोडूंगा नशा के सौदागरों -विपुल

नरसिहपुर जिले के तेज तर्रार युवा पुलिस कप्तान विपुल श्रीवास्तव के निर्देश परअवैध मादक पदार्थ के सौदागरों मे खौफ का माहौल अति.पुलिस अधि.सुनील शिवहरे एस.डी.ओ.पी. त्रिपाठी के मार्ग दर्शन मे गाडरवारा पुलिस टीम को बडी सफलता.गाडरवारा के समीप चीचली बायपास गोल्डन सिटी रायल पैलेस के पास स्मैक तश्कर को धेराबन्दी कर धरदबौचा अवैध मादक पदार्थ स्मैक बजार मूल्य 2लाख 50 हजार से अधिक के साथ रंगेहाथो पकडा।

कलेक्टर व अपर कलेक्टर ने सुनी लोगों की समस्यायें- मोके पर हुआ समस्याओं का निराकरण

जनसुनवाई में आये 68 आवेदन

नरसिंहपुर।(नव प्रदेश)

मंगलवार 16 फरवरी को कलेक्ट्रेट में हुई जनसुनवाई में कलेक्टर श्री वेद प्रकाश, अपर कलेक्टर श्री मनोज ठाकुर एवं सीईओ जिला पंचायत श्री केके भार्गव ने जिले के विभिन्न स्थानों से पहुंचे लोगों की समस्यायें सुनी और आवेदन लिए। जनसुनवाई में 68 आवेदन प्राप्त हुए। लोगों की विभिन्न समस्याओं का मौके पर ही निराकरण हुआ। सम्बंधित अधिकारियों को समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिए गए। इस मौके पर विभिन्न विभागों के जिला प्रमुख और अन्य अधिकारी मौजूद थे।

लखनादौन में आयोजन 21 को

बरघाट (नव प्रदेश)। आजाद अध्यापक शिक्षक संघ बरघाट-सिवनी ब्लॉक कार्यकारिणी व सभी अध्यापकों की संयुक्त बैठक 15 फरवरी दिन सोमवार को राजीव गांधी स्टेडियम ग्राउंड में आयोजित की गई। बैठक में नई शिक्षा नीति पर संगोष्ठी, पुरानी पेंशन बहाली हेतु आगामी रणनीति,अध्यापक संवर्ग के शेष जायज लंबित मांगों के त्वरित निराकरण व 21 फरवरी को प्रांत प्रमुख भरत पटेल की उपस्थिति में हीरा लॉन लखनादौन में आयोजित सम्मेलन की तैयारियों सहित अन्य विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में संघ के जिलाध्यक्ष कपिल बघेल, कोर कमेटी के नीलम पटेल, चिंतामन राहंगडाले, परमानंद टेम्भरे, तेजसिंह ठाकुर, कपिल ठाकुर, प्रीतम ठाकुर थे।

लोगों ने बनाया पोस्ट ऑफिस भवन

अच्छी पहल का असर

सिवनी (नव प्रदेश) ।

कुरई बादलपार जो काम प्रशासन को करना चाहिए था वह जब लाख अनुनय-विनय के बाद नहीं हो सका तो ग्रामीणों ने प्रशासन का मुख देखने के बजाए खुद ही इस काम का बीड़ा उठाया और आपस में चंदा एकत्र कर गांव में पोस्ट ऑफिस के दफ्तर का निर्माण कर दिया। मामला कुरई के सिंदरिया गांव का है। जहां जर्जर मकान में संचालित हो रहे पोस्ट ऑफिस के स्थान पर नया भवन तैयार कर दिया गया है।

परेशान हो रहा था पोस्टमास्टर

जिला सिवनी के कुरई विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत ढुटेरा के ग्राम सिन्दरिया वासियों ने बताया कि गांव में पूर्व से संतलाल नामक व्यक्ति के निजी मकान में पोस्ट ऑफिस संचालित हो रहा था । अगस्त माह में अतिवृष्टि के कारण मकान गिर गया था। जिससे पोस्ट ऑफिस का कार्य एक वर्ष से अस्त व्यस्त चल रहा था। भवन के जर्जर हो जाने के कारण पोस्ट मास्टर को कार्य करने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। दफ्तर के जरूरी कागजात भी खराब होने की आशंका बनी हुई थी।

बैठक की और किया चंदा- गांव के पोस्ट ऑफिस की जर्जर स्थिति से चिंतित ग्रामीणों ने गांव में एक बैठक का आयोजन किया। बैठक आयोजित कर एक अनोखी पहल की गई। जिसमें ग्रामवासियों के सहयोग से सभी ने घर-घर जाकर चंदा एकत्रित किया। ग्रामीणों ने एक लाख 90 हजार की राशि इकत्र कर ली। जिसके बाद एक नया भवन निर्मित किया गया। ग्रामीणों ने आपसी सहयोग से इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक डाकघर बनाकर तैयार कर दिया। डर रहे थे ग्रामीण, कहीं चला न जाए दफ्तर

ग्रामीणों ने बताया कि हमारे गांव में पूर्व में सिंदरिया के नाम से सोसाइटी, ग्राम पंचायत व उचित मूल्य की दुकान खोली गई थी। जो बाद में ग्राम से हटाकर बाहर भेज दी गई। ऐसे ही पोस्ट ऑफिस को भी बाहर भेजने का डर ग्राम वासियों को सताने लगा। ग्रामीणों ने शासन प्रशासन व जनप्रतिनिधियों से कई बार मांग की लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया गया। जिसके बाद ग्रामीणों के जोश से चंद दिनों में ही इंडिया पोस्ट पेमेंटस डाकघर शाखा का भवन बनकर तैयार हो गया। ग्राम के सभी पुरुषों एवं महिलाओं ने उद्घाटन के समय बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया एवं धार्मिक अनुष्ठान कर फीता काटकर उद्घाटन किया ।

18 नग गौ वंश को भरकर अवैध परिवहन करते पकड़ा गया ट्रक

नरसिंहपुर।(नव प्रदेश)

श्री मान् पुलिस अधीक्षक महोदय श्री विपुल श्रीवास्तव जी के निर्देशन में तस्करों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के तारतम्य में श्री मान् अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय नरसिंहपुर श्री सुनील शिवहरे, अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) तेन्दूखेडा श्री मति मेहंती मरावी के मार्गदर्शन में थाना सुआतला पुलिस द्वारा दिनांक 16/02/2021 के 05/10 बजे ग्राम डोंगरगांव वरघटिया मे एन. एच. 45 रोड पर गौवंश की तस्करी कर रहे आरोपी 1- सादिक खान पिता अबदुल अजीज खान उम्र 35 वर्ष नि. भगत सिंह वार्ड

जिला सिवनी 2-मो.इशाक पिता मो. याशीन उम्र -27 वर्ष नि. जनता नगर सिवनी को ट्रक क्र. 29, 2003 में कुल 18 नग गौ वंश को भरकर अवैध परिवहन करते पकड़ा गया है जो आरोपी गणों के विरूद्ध थाना सुआतला में अप. क्र 69/2021 धारा - 4,6,9,गौ वंश अधि., 4,6,8,10,12,कृषि पशु परि. अधि., 11(घ) पशु क्रूरता अधि. एवं 66/192 मो. व्ही. एक्ट का पंजीबध्द कर विवेचना मे. लिया गया गया है आरोपीगणों को माननीय न्यायालय नरसिंहपुर पेश किया गया है।

सिवनी

खेत से लौट रही किशोरी पर गिरी बिजली, मौत

सिवनी (नव प्रदेश)। लखनादौन तहसील के आदेगांव थाना अंतर्गत ढाना गांव में मवेशी को चराने खेत गए भाई को बारिश से बचने के लिए छाता देकर साइकिल से घर लौट रही किशोरी शिवकुमारी 13 वर्ष पिता चंदरलाल ककोड़िया की पुत्री 16 फरवरी मंगलवार सुबह आसमानी बिजली गिरने से मौके पर मौत हो गई। मृतिका का शव पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया हैं।

आदेगांव थाना प्रभारी ईश्वरी पटले ने बताया कि ढाना गांव में मृतिका भाई शिवकुमार घर से करीब एक किमी दूर खेत में मवेशियों को चराने ले गया था। मृतिका शिवकुमारी ककोड़िया घर से साइकिल में गई बारिश में भीगने से बचने के लिए भाई को खेत में छाता देने गई थी। भाई शिवकुमार को छाता देकर शिवकुमारी साइकिल से वापस घर लौट रही थी। इसी दरम्यान बीच रास्ते में गरज-चमक के साथ आसमानी बिजली किशोरी पर गिर गई, जिससे मौके पर शिवकुमारी की मौत हो गई।

थाना प्रभारी पटले ने बताया कि मृतिका पर आसमानी बिजली गिरते उसके भाई ने देखकर इसकी सूचना परिजनों व पुलिस को दी। आसमानी बिजली से किशोरी के बाल व शरीर में पहले कपड़े बुरी तरह झुलस गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव पीएम के लिए भेजा। मर्ग कायम कर प्रकरण में विस्तृत जांच की जा रही है। प्राकृतिक आपदा से हुई जनहानि पर पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता दिलाने प्रकरण तैयार कर आगे की कार्रवाई की जा रही हैं।

थाना प्रभारी पटले ने बताया कि मृतिका पर आसमानी बिजली गिरते उसके भाई ने देखकर इसकी सूचना परिजनों व पुलिस को दी।

ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर प्रतिबंध

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ राहुल हरिदास फटिंग ने जारी किए आदेश

सिवनी (नव प्रदेश) ।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ राहुल हरिदास फटिंग ने छात्र-छात्राओं की आगामी वार्षिक परीक्षाओं के मद्देनजर जिले के सभी समस्त नगरपालिका / नगर पंचायत क्षेत्र तथा ऐसे बड़े ग्राम जिनमें परीक्षा केन्द्र बनाये गये हैं, सभी क्षेत्रों के लिये म.प्र. कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 के तहत ध्वानि विस्तारक यंत्रों के उपयोग को 31 मई 2021 प्रतिबंधित करने के आदेश जारी किए हैं।

जारी आदेशानुसार म.प्र. कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 की धारा-4 के तहत प्रतिदिन रात्रि 10 बजे से प्रात~ 6 बजे के बीच के समय में स्टीरियों, टेप, डेस्क, डी.जे., रिकॉर्डप्लेयर, घरेलू वाद्ययंत्रों, उपकरणों या सिनेमा अथवा अन्य विज्ञापनों के लिये लाउडस्पीकर जैसे उच्च ध्वनि विस्तारक यंत्रों को प्रतिबंधित किया गया है।

धारा -5 के तहत सिनेमा, किसी मनोरंजन व्यापार या कारोबार का विज्ञापन करने के प्रयोजनों के लिये या किसी अन्य वाणिज्यिक आख्यापन के लिये तीव्र संगीत को ध्वनि विस्तारक से न तो चलाया जायेगा और न ही चलवाया जायेगा। इसी प्रकार किसी लोक स्थान या खुले स्थान, कोई सड़क या मार्ग, दुकानें, होटल, उपहार गृह में ट्रांजिस्टर, रिकॉर्डप्लेयर, टेप, स्टीरियों से न तो तीव्र संगीत चलाया या चलवाया नहीं जायेगा और न ही कोई विधुत या यांत्रिक भोपू (हार्न) को ऊंची आवाज में बजाएगा। धारा -6 के तहत किसी भी शैक्षणिक संस्था, छात्रावास अथवा छात्रों के अध्ययनरत किसी भवनों से 200 मीटर की दूरी के भीतर उक्त वर्णित ध्वनि विस्तारक को न तो बजाया जायेगा और न ही बजवाया जायेगा। इसी परिप्रेक्ष्य में यह भी स्पष्ट किया जाता है कि इलेक्टिकल्स / बिछायत केन्द्रों में प्रचारार्थ लाउड स्पीकरों एवं धार्मिक स्थलों पर वाद्य यंत्रों से उच्च संगीत को प्रतिषिध्द रहेगा ।उपरोक्त अधिनियम की धारा 13 (1) एवं (2) के तहत राष्ट्रीय और सामाजिक समारोहों तथा धार्मिक उत्सवों के अवसरों को तथा धार्मिक स्थानों तथा परिसरों पर छूट होने पर भी संबंधित क्षेत्र के विहित प्राधिकारी, उसे किये गये संबंधित थाना के माध्यम से लिखित आवेदन पर, ऐसी कालावधि के लिये ऐसे अवसरों और ऐसे क्षेत्रों में, जैसा कि अनुज्ञा में विनिर्दिष्ट किया जाये, उक्त अधिनियम की धारा 4, 5, 6 तथा 7 के उपबंधों से छूट दे सकेगा जो केवल द वाल्यूम पर उपयोग किया जा सकेगा।

उक्त आदेश का उल्लंघन करने या उल्लंघन का प्रयत्न करने या दुष्प्रेरण करने पर छ~ माह तक के कारावास या 1000(एक हजार रूपये) जुर्माना अथवा दोनों से दंडित किया जा सकता है। इसके पश्चात पुन~ अपराध करने पर प्रथम दोषसिध्दि पर दोगुने दंड से दंडनीय होगा।

आंगनबाड़ी केंद्र किया औचक निरीक्षण -कलेक्टर डॉ राहुल हरिदास फटिंग एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री पार्थ जैसवाल ने आंगनबाड़ी केंद्र मोहगांव सड़क का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने आंगनबाड़ी की व्यवस्थाओ का अवलोकन करने के साथ ही दर्ज बच्चों के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा बच्चों में नैतिक एवं मानसिक विकास के लिए दी जा रही प्राथमिक शिक्षा का अवलोकन किया। कलेक्टर डॉ फटिंग तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जैसवाल ने वर्तमान में संचालित किये जा रहे दस्तक अभियान के संबंध में भी उपस्थित एएनएम एवं आशा कार्यकर्ता से आवश्यक जानकारी प्राप्त की।

कर अभियान अंतर्गत 0 से 5

हवा-तूफान व ओलावृष्टि से फसलें हुई चौपट, विधायक ने लिया जायजा

सिवनी (नव प्रदेश) ।

मंगलवार की दोपहर अचानक तेज हवाओं के साथ हुई बेमौसम बारिश व ओलावृष्टि से जिले भर के किसानों के ऊपर आफत से टूट पड़ी । ओलावृष्टि के बाद सिवनी विधायक दिनेश राय मुनमुन ने दर्जनो ग्रामों का जायजा लिया। नगर मे आयोजित कार्यक्रम के दौरान सिवनी विधायक दिनेश राय मुनमुन को विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बेमौसम बारिश व ओलावृष्टि की जानकरी जैसे ही लगी आप ने अपने सभी कार्यक्रमों को निरस्त कर क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों मे फसल नुकसानी का जायजा लेने पहुंचे। जहां पर दिनेश राय मुनमुन ने ग्राम तिन्सा, चंदेंनी से लेकर जुबान, मडवा, गोरखपुर, ऊंटेकटा, चमारी, चमारी खुर्द, नांदिया, बडपानी, सिंदरई, अटामा सहित आस-पास के सभी ग्रामों का दौरा कर प्रभावित किसान बंधुओ से चर्चा की। इस दौरान नायाब तहसीलदार, बीटीसी, एसडीओ कृषि विभाग, आर आई, पटवारी एवं राजस्व अमला भी उपस्थित था।

कलेक्टर ने किया माटी कलाकृतियों का अवलोकन

सिवनी (नव प्रदेश) ।

अपनी माटी कलाकृतियों के लिए प्रसिद्ध कुरई विकासखण्ड के ग्राम पचधार का कलेक्टर डॉ राहुल हरिदास फटिंग एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री पार्थ जैसवाल ने मंगलवार 16 फरवरी को निरीक्षण किया। उन्होंने माटी कलाकार दुर्गेश कुमार से उनके द्वारा मिट्टी से बनाए जा रहे विभिन्न बर्तनों, सजावटी समानों के साथ ही दैनिक उपयोग में आने वाले वस्तुओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। दुर्गेश ने बताया कि उनके द्वारा मिट्टी से दैनिक रोजमर्रा के उपयोग के बर्तनों, खिलौने, साज-सज्जा के समान बनाए जाते हैं। जिसकी स्थानीय स्तर के साथ ही नागपुर, जबलपुर में विशेष मांग है। वहीं पेंच नेशनल पार्क में आने वाले सैलानियों के लिए भी आकर्षण का केन्द्र है। विदेशी सैलानी भी यहाँ पहुंच कर हमारे द्वारा बनाऐ गए बर्तनों, खिलौनों एवं साज-सज्जा के सामान खरीदते हैं। वहीं अन्य कलाकार लक्ष्मीलाल ने कलेक्टर डॉ फटिंग एवं सीईओ श्री जैसवाल को इलेक्ट्रानिक चाक मशीन से कुछ ही मिनटों में सुंदर फूलदान एवं बॉटल बना कर दिखाई। कलेक्टर डॉ फटिंग ने निरीक्षण के दौरान उपस्थित आजीविका मिशन विभाग के अधिकारियों को ग्राम के प्रत्येक माटी कलाकार को पात्रतानुसार योजना से लाभांवित करने के साथ ही लगातार आवश्यक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए।

गोल्डन टेम्पल मन्दिर में मनाया गया बसंत पंचमी महोत्सव, बाल कलाकारो ने दी प्रस्तुति

छपारा (नव प्रदेश) ।

बैनगंगा नदी तट स्थित श्री लक्ष्मी नारायण गोल्डन टेम्पल मन्दिर परिसर में 16 फरवरी दिन मंगलवार के दिन बसंत पंचमी महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया, सर्वप्रथम विधि विधान के साथ श्री लक्ष्मी नारायण भगवान का पूजन अर्चन किया गया, एवं प्रसाद वितरण किया गया। अचानक होने वाली बारिश के कारण मंदिर परिसर में होने वाले कार्यक्रमो थोड़ा बदलाव किया गया।

देर शाम शुरू होने वाला सांस्कृतिक विलंब से शुरू हुआ, मंदिर परिसर आयोजित रंगा रंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में नगर के बाल कलाकारों ने मनमोहन प्रस्तुतियां दी, कार्यक्रम में उपस्थित जनो ने बाल कलाकारों के द्वारा दी गई प्रस्तुतियो को जमकर सराहना की। कार्यक्रम देर रात तक चला, कार्यक्रम में प्रस्तुतियां देने वाले कलाकारों को मंदिर समिति ने प्रशस्ति पत्र व शील्ड देकर उत्साह वर्धन किया और उनके उज्वल भविष्य की कामना की। मंदिर समिति के सदस्य शिवकुमार शिवहरे ने कहा कि क्षेत्र में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित समय समय पर आयोजित किये जाते रहने चाहिए, जिससे क्षेत्र की प्रतिभाओं को निखारने के मौका मिलता, और भविष्य में और बेहतर करने की प्रेरणा मिलती रहती है। कार्यक्रम में मंदिर समिति सदस्य शिवकुमार शिवहरे, सुनील दत्त पाठक, देवी राजपूत व नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे, जिन्होंने मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाया। मंदिर समिति के द्वारा महाप्रसाद को भी वितरण किया गया ।

कांग्रेस किसान संघर्ष यात्रा

सिवनी (नव प्रदेश) । तीन कृषि कानून के विरोध में जिला कांग्रेस द्वारा आयोजित किसान संघर्ष यात्रा ग्राम खैरी से सिमरिया, पलारी, चांवडी, भंडारपुर, कारीरात, लखनवाड़ा तक निकाली गयी, लखनवाड़ा घाट में दीपदान और शिव जलाभिषेक एवं संत बलवंत जी महाराज विशेष रूप से उपस्थित थे । किसान संघर्ष यात्रा में जिला पंचायत सदस्य अशोक सिरसाम, हर्षवर्धन लक्की बघेल, गनाराम वरकडे, रामनंदन चन्द्रवंशी, मंशाराम चन्द्रवंशी, गेंदलाल चन्द्रवंशी, सेवकराम चन्द्रवंशी, राजेश सनोडिया बाधी, आकाश पटेल संगई, बसंत बघेल लखनवाडा, प्रकाश सनोडिया, जिला कांग्रेस सेवादल के मुख्यसंगठक मुबारक खान, उपाध्यक्ष संदीप चैहान, शिवदीप डहेरिया, ठाकुरसिंह डहेरिया, मनोज शिवे, रामकुमार साहू, रामेश्वर

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक यशवंत धोटे द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स प्लाट नंबर-3, नेशनल प्रेस एरिया, लिंक रोड नं-3 ,पत्रकार कॉलोनी के पास से मुद्रित कर, ई-2/237 अरेरा कालोनी भोपाल से प्रकाशित, प्रबंध संपादक डॉ. शिशिर उपाध्याय,
फोन नं : 0755-2465533, मो. 9039005699 (न्याय क्षेत्र भोपाल), MPHIN/2017/72749 email:navpradeshbhopal@gmail.com